सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 221, नई दिल्ली । रविवार, 20 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

03 राजधानी दिल्ली विश्व में प्रदूषित शहर....
06 सोच बदलने से मिलेगी सफलता
02 दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है करवा चौथ

दिल्ली परिवहन विभाग में किस कार्य और विभाग को कौन सा अधिकारी संभाल रहा है, जानें

S.No.	Name/Designation	Work Assignment	Telephone Numbers OFFICE	Email ID
1.	Sh. Prashant Goyal ,IAS (Pr. Secretary-cum-Commissioner)		23392723 23933069 (Fax):	commtpt[at]nic[dot]in
2.	PS to COT		23933829 , 23980166	-
3	IAS Special Commissioner	Bus Transport (DTC/ Cluster/ Last Mile Connectivity/ Bus-related projects) Planning & Finance Vigilance MD DTIDC DIMTS matters	23961194, 23950782	scotplgtpt[at]gmail[dot]com
4	Sh. Sachin Shinde, IAS Special Commissioner	STA (including ARU/TU and VIU) Operation Enforcement (including Scrapping) PCD & Air Pollution IT (including Delhi Transport Stack) Litigation, including Arbitration matters Administration Caretaking & Estate Branch Inter-Divisional Coordination (including Parliament/ Assembly questions)	20832550	scotenforcement[at]gmail[dot]com
5	Sh. Sanjeev Kumar Mittal, IAS Special Commissioner	Road Safety		
5.	Sh Aom Dhole Kashinathrao, DANICS Dy. Commissioner	EV Cell (report to CoT) MRTS/RRTS (report to CoT) ED DTIDC	011-20832184	deputycommissionertpt[at]gmail[dot]com
6.	Sh. Rakesh Sharma, Adhoc Danics, Dy. Commissioner	Deputy Secretary STA (including ARU/TU)	011-20832737	-
7.	Sh Kulbhushan Babbar, Adhoc DANICS Dy. Commissioner	Enforcement (including admin. of all Impounding Pits, and auctions therein) Scrapping Cell PCD & Air Pollution State Level Nodal Officer for Election Expenditure Monitoring	011-20832426	kulbhushan[dot]babbar[at]delhi[dot]gov[dot]in
8.	Sh Sunil Sehgal Adhoc DANICS Dy. Commissioner	Vigilance Inter-Divisional Coordination (including Parliament/ Assembly questions) PGMS, CPGRAMS, LG Listening Post & other Grievances Portal (independently) R&I/ DRTI (independently) Litigation, including Arbitration coordination, CCTV cases and other general matters*	23971500	-
9.	Sh. R. Ramanathan, Ex-cadre Dy. Commissioner	Bus Transport (DTC/ Cluster/ Last Mile Connectivity/ Bus-related projects)	-	dctransportez[at]gmail[dot]com
10.	Sh. Sanjay Ailawadi, Ex-cadre Dy. Commissioner	Operation (including all DTO Zone and DTO (HQ)) VIU	011-20832183	dcops05[at]gmail[dot]com
11.	Sh. N. Sampat Naik, CDC Dy. Commissioner	Administration Caretaking & Estate Road Safety	20832477	dcadmn-tpt[dot]delhi[at]gov[dot]in
12.	Sh. R. K. Reddy, Deputy Controller of Accounts	Finance & Accounts	011-20832185	-
13.	Sh. Ish Kumar Sr. AO (DDO)		23935286	ishaotpt[at]nic[dot]in
14.	Sh. Sanjay Kumar Gautam Senior System Analyst	IT (including Delhi Transport Stack, and all projects handled by NIC)	011-23992072 011-20832428	satpt[dot]delhi[at]nic[dot]in
15.	Sh. Man Mohan System Analyst		011-23992072	sprogtpt[at]nic[dot]in
16.	Smt. Poonam Walia System Analyst		011-23992072	tpt-itbranch[at]delhi[dot]gov[dot]in
17.	Dr. Arpan Kumar Maji Data Processing Assistant		011-23992072	maji[dot]arpan[at]delhi[dot]gov[dot]in
18.	Sh. Rahul Yadav Data Processing Assistant		011-23992072	RAHUL[dot]YADAV97[at]delhi[dot]gov[dot]in
19.	Sh. Prince Garg P. C. Officer & Welfare Officer	RTI Incharge PCD	011-23989004 011-20832760	rticapio[at]gmail[dot]com
20.	Sh. Rakesh Kumar DTO	South Zone Sarai Kale Khan Zone IP Depot Zone SO (Road Safety)	011-20832005 011-20832184	mloz2[dot]delhi[at]gov[dot]in mloz3[dot]delhi[at]gov[dot]in mloz6[dot]delhi[at]gov[dot]in
21.	Sh. Sunil Chauhan DTO	Janakpuri Raja Garden	011-22753800	mloz4[dot]delhi[at]gov[dot]in mloz10[dot]delhi[at]gov[dot]in
22.	Ms. Kumari Anupama SO	ADO (Admin)	011-23819192	
23.	Sh. P.M. Rao DTO	Mayur Vihar Zone Surajmal Vihar Zone Loni Zone	011-22813475	mloz5[dot]delhi[at]gov[dot]in mloz7[dot]delhi[at]gov[dot]in mloz13[dot]delhi[at]gov[dot]in
24.	Sh. Subhash Chand DTO	Dwarka		mloz9[dot]delhi[at]gov[dot]in
25.	Sh. Kishan Seth DTO	Vasant Vihar Zone	011-28043595	mloz12[dot]delhi[at]gov[dot]in
26.	Sh. Sanjay Narula DTO	VIU, Burari		mloviu1[dot]delhi[at]gov[dot]in
27.	Sh. Joginder Dabas DTO	TU	011-27571151 011-27571167	mloaru[dot]delhi[at]gov[dot]in
28.	Sh. Rakesh Kumar DTO	Rohini Zone Mall Road Zone Wazirpur Zone	011-23921924 011-20832882 011-25163615, 011-25163616	mloz11[dot]delhi[at]gov[dot]in mloz1[dot]delhi[at]gov[dot]in mloz8[dot]delhi[at]gov[dot]in
29.	Sh. M. Johnson DTO	ARU	011-27612635	mloaru[dot]delhi[at]gov[dot]in
30.	Sh. Mukesh Budhiraja DTO	VIU, Jhuljhuli (SECOND SHIFT)	011-27611760	viujhuljhuli[at]gmail[dot]com
31.	Sh. Rakesh Vaid DTO	VIU, Jhuljhuli (FIRST SHIFT)	011-27611760	viujhuljhuli[at]gmail[dot]com
32.	Sh. Ranjan Kumar DTO	Rajpura Road, HQ	011-23819191	mlohq1[dot]delhi[at]gov[dot]in
33.	Ms. Jaswinder Kaur Asstt. Secretary	STA	-	tptassta[at]gmail[dot]com
34.	Sh. Naveen Kochhar PCO	Care Taking Operations PCD	011-20832010 011-20832427	pcdroomno7d[at]gmail[dot]com
35.	Sh. Ashwani Kumar PCO	Pollution Control matters	011-23914049	pcohqtpt2121[at]gmail[dot]com
36.	Sh. Sukhpal Singh PCO	PCD	011-23914049	pcdroomno30[at]gmail[dot]com
37.	Sh. Rajesh Meena Asst. Director	Planning	011-23934159	dcplgtpt[at]gmail[dot]com
38.	Sh. Ashok Kaushik Enforcement Officer (HQ)	Enforcement matters	011-20833441	
39.	Sh. Rustom SO	Bus Transport (DTC)		
40.	Sh. Pradeep Kumar SO	MRTS & RRTS		
41.	Sh. Randhir Bhaskar SO	Caretaking		
42.	Sh. Manoj Shivrain SO	Vigilance		
43.	Sh. Bhupinder Singh SO	Litigation Arbitration of CCTV Nodal Officer Scrapping Cell		
44.	Sh. Vicky Dhanwaria SO	Bus Transport (Legal)		
45.	Sh. Pushpraj	Bus Transport (Cluster)		

दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है करवा चौथ

करवा चौथ पर्व के संबंध में कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे।

करवा चौथ पर्व का हमारे देश में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत, जो इस वर्ष 20 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्ध्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है।

कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्ध्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई।

करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय

किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्ध्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया।

यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें 'करवा चौथ' व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं।

इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

- योगेश कुमार गोयल
(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अच्छे गृहस्थ जीवन और अखंड सौभाग्य का व्रत है

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी यानी करवा चौथ का व्रत। सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखे जाने वाले इस व्रत को महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। करवा चौथ व्रत में चंद्रमा की पूजा की जाती है।

हर साल कार्तिक मास के कृष्णन पक्ष की चतुर्थी के दिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत करती हैं इस दिन को करवाचौथ कहते हैं। रात में चांद का दीदार करने और चलनी से पति का चेहरा देखने के बाद महिलाएं यह व्रत तोड़ती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कृष्णं पक्ष की चतुर्थी के दिन यह व्रत किया जाता है और इस साल करवा चौथ सर्वार्थ सिद्धि और शिव योग में मनाई जायेगी। वहीं इस साल चतुर्थी तिथि चतुर्थी तिथि आरंभ 20 अक्टूबर 2024 को सुबह 06:46 मिनट से शुरू हो रही है। जिसका समापन अगले दिन यानी 21 अक्टूबर 2024 को सुबह 04:16 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार करवा चौथ का व्रत रविवार 20 अक्टूबर 2024 को रखा जाएगा। 20 अक्टूबर को पति-पत्नी का महापर्व करवा चौथ है। ज्योतिष गणना के अनुसार इस दिन व्यतीपात योग कृत्तिका नक्षत्र और विष्टि, बव, बालव करण बन रहे हैं। साथ ही चंद्रमा वृषभ राशि में मौजूद रहेंगे। इस संयोग में करवा माता की आराधना करने से वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होंगी, और रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। ये व्रत जीवन साथी के लिए समर्पण, प्रेम और त्याग का भाव दिखाता है। महिलाएं पति के सुखी जीवन, सौभाग्य, अच्छी सेहत और लंबी उम्र के लिए दिनभर निराहार और निर्जल रहती हैं। इस रिश्ते में जब तक एक-दूसरे के बीच विश्वास है, तब तक प्रेम बना रहता है। अगर जीवन साथी पर अविश्वास का भाव जाग जाता है तो ये रिश्ता टिक नहीं पाता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी यानी करवा चौथ का व्रत। सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखे जाने वाले इस व्रत को महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। करवा चौथ व्रत में चंद्रमा की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस व्रत में चंद्रमा की पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है और पति की आयु लंबी होती है। इसलिए विवाहित महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए इस व्रत को रखती हैं। इस दिन चंद्रमा के साथ-साथ शिव-पार्वती सहित गणेशजी व मंगल ग्रह के स्वामी देव सेनापति कार्तिकेय की भी विशेष पूजा होती है।

करवा चौथ पर बन रहा विशिष्ट संयोग

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ज्योतिष गणना के अनुसार इस दिन व्यतीपात योग कृत्तिका नक्षत्र और विष्टि, बव, बालव करण बन रहे हैं। साथ ही चंद्रमा वृषभ राशि में मौजूद रहेंगे। इस संयोग में करवा माता की आराधना करने से वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होंगी, और रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

करवा चौथ तिथि

करवा चौथ का व्रत रविवार 20 अक्टूबर 2024

चतुर्थी तिथि आरंभ- 20 अक्टूबर 2024 को सुबह 06:46 मिनट से

चतुर्थी तिथि समाप्त- 21 अक्टूबर 2024 को सुबह 04:16 मिनट पर

उदया तिथि के अनुसार करवा चौथ का व्रत रविवार 20 अक्टूबर 2024 को रखा जाएगा।

करवा चौथ पूजा मुहूर्त

पूजा का मुहूर्त 20 अक्टूबर शाम 5:46 मिनट से शुरू होगा और शाम 7:02 मिनट पर समाप्त होगा। यानी कुल 1 घंटे 16 मिनट का मुहूर्त होगा।

चंद्र दर्शन का समय

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि वहीं ये भी मान्यता है कि कि ऐसे समय में चंद्र दर्शन मनवांछित फल प्रदान करता है। इस बार करवा चौथ को यानि रविवार 20 अक्टूबर को चांद रात 07:57 मिनट पर निकलेगा। ऐसे में इसी समय व्रती महिलाओं को चंद्र दर्शन हो सकता है। वहीं चंद्र दर्शन के बाद ही व्रती महिलाएं व्रत खोलेगी।

लाल रंग के कपड़े पहनें, मिलेगा पति का प्यार

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि करवाचौथ के दिन व्रत रखने वाली महिलाएं यदि लाल रंग के कपड़े पहनती हैं तो उन्हें जिंदगी भर पति का प्यार मिलेगा। माना जाता है कि लाल रंग गर्मजोशी का प्रतीक है और मनोबल भी बढ़ाता है। साथ ही लाल रंग प्यार का प्रतीक भी माना जाता है। लाल रंग में महिलाएं अधिक सुंदर और आकर्षित दिखती हैं एवं सबके आकर्षण का केंद्र बिंदू बनती हैं। नीले, भूरे और काले रंग के कपड़े न पहनें, क्योंकि ये अशुभता के प्रतीक हैं।

छलनी की ओट से चंद्रदर्शन

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि करवा चौथ को लेकर मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा की किरणें सीधे नहीं देखी जाती हैं, उसके मध्य किसी पात्र या छलनी द्वारा देखने की परंपरा है क्योंकि चंद्रमा की किरणें अपनी कलाओं में विशेष प्रभावी रहती हैं। जो लोक परंपरा में चंद्रमा के साथ पति-पत्नी के संबंध को उजास से भर देती हैं। चूंकि चंद्र के तुल्य ही पति को भी माना गया है, इसलिए चंद्रमा को देखने के बाद तुरंत उसी छलनी से पति को देखा जाता है। इसका एक और कारण बताया जाता है कि चंद्रमा को भी नजर न लगे और पति-पत्नी के संबंध में भी मधुरता बनी रहे।

करवा चौथ की पूजन सामग्री

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि करवा चौथ के व्रत से एक-दो दिन पहले ही सारी पूजन सामग्री को इकट्ठा करके घर के मंदिर में रख दें। पूजन सामग्री इस प्रकार है- मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन, पानी का लोटा, गंगाजल, दीपक, रूई, अगरबत्ती, चंदन, कुमकुम, रोली, अक्षत, फूल, कच्चा दूध, दही, देसी घी, शहद, चीनी, हल्दी, चावल, मिठाई, चीनी का बूरा, मेहंदी, महावर, सिंदूर, कंघा, बिंदी, चुनरी, चूड़ी, बिछुआ, गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी, लकड़ी का आसन, छलनी, आठ पूरियों की अठावरी, हलुआ और दक्षिणा के पैसे।

करवा चौथे की पूजा विधि

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि करवा चौथ पर दिनभर व्रत रखा जाता है और रात में चंद्रमा की पूजा की जाती है। इसके लिए पूजा-स्थल को खड़िया मिट्टी से सजाया जाता है और पार्वती की प्रतिमा की भी स्थापना की जाती है। पारंपरिक तौर पर पूजा की जाती है और करवा चौथ की कथा सुनाई जाती है। करवा चौथ का व्रत चांद देखकर खोला जाता है, उस मौके पर पति भी साथ होता है। दीए जलाकर पूजा की शुरुआत की जाती है। करवा चौथ की पूजा में जल से भरा मिट्टी का टोंटीदार कुल्हड़ यानी करवा, ऊपर दीपक पर रखी विशेष वस्तुएं, श्रृंगार की सभी नई वस्तुएं जरूरी होती है। पूजा की थाली में रोली, चावल, धूप, दीप, फूल के साथ दूब अवश्य रहती है। शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय की मिट्टी की मूर्तियों को भी पाट पर दूब में बिठाते हैं। बालू या सफेद मिट्टी की वेदी बनाकर भी सभी देवताओं को विराजित करने का विधान है। अब तो घरों में चांदी

के शिव-पार्वती पूजा के लिए रख लिए जाते हैं। थाली को सजाकर चांद को अर्घ्य दिया जाता है। फिर पति के हाथों से मीठा पानी पीकर दिन भर का व्रत खोला जाता है। उसके बाद परिवार सहित खाना होता है।फ़ैमिली वेकेशन पैकेज

करवा चौथ को शास्त्रों में सौभाग्य वृद्धि का व्रत माना जाता है भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास के अनुसार करवा चौथ के दिन राशि के अनुसार वस्त्र पहनने से वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है।

1. मेष राशि की महिलाएं करवा चौथ के दिन गोल्डन रंग की साड़ी, लहंगा या सूटकर पूजा करें।

2. वृषभ राशि की महिलाओं का सिल्वर रंग के वस्त्र धारण करना शुभ रहेगा।

3. करवा चौथ के दिन मिथुन राशि की महिलाएं हरे रंग के वस्त्र धारण करें।

4. कर्क राशि के लिए करवा चौथ के दिन शुभ रंग लाल है।

5. सिंह राशि वालों के लिए लाल, ऑरेंज या गोल्डन रंग के वस्त्र शुभ माने जाते हैं।

6. करवा चौथ के दिन कन्या राशि की महिलाएं लाल, हरी या गोल्डन रंग की साड़ी पहनें।

7. तुला राशि की महिलाएं लाल, गोल्डन या सिल्वर रंग के वस्त्र धारण करें।

8. वृश्चिक राशि की महिलाओं के लिए लाल रंग सबसे उत्तम माना जाता है। इस दिन आप महरून या गोल्डन रंग के कपड़े पहनकर पूजा कर सकती हैं।

9. धनु राशि की महिलाओं को आसमानी या पीले रंग के वस्त्र धारण करने की सलाह दी जाती है।

10. मकर राशि वालों के लिए नीला रंग शुभ माना जाता है।

11. कुंभ राशि की महिलाएं नीले रंग या सिल्वर कलर के वस्त्र धारण कर सकती हैं।

12. मीन राशि की महिलाएं पीले या गोल्डन कलर के कपड़े पहनकर पूजा करें।

मान्यता है कि ऐसा करने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

- डा. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक

निर्माण साइट्स पर एंटी डस्ट संबंधी 14 नियमों को लागू करना जरूरी है : राय

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज बताया कि एंटी डस्ट अभियान से सम्बंधित टीमों ने अभी तक 2764 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया और निर्माण स्थलों पर जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर 76 स्थलों को नोटिस और चालान जारी किया है। साथ ही, 17 लाख 40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में 7 अक्टूबर से एंटी डस्ट कैम्पेन चलाया जा रहा है, जो 7 नवम्बर तक चलेगा। इस अभियान के लिए 523 टीमों का गठन किया गया है, जिसमें 13 संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हैं। ये दिल्ली के अंदर अलग-अलग स्थानों पर चल रहे निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं और मानदंडों के उल्लंघन पर कार्रवाई कर रहे हैं। सभी टीमों को लगातार निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सर्दी के मौसम में दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार ने 25 सितम्बर को विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की थी। जिसके आधार पर संबंधित विभागों ने इसे जमीन पर लागू करने के लिए गंभीरता पूर्वक कार्य शुरू कर दिया है। हमने ग्रीन वॉर रूम लॉन्च किया है, जहां से इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने लोगों के सहयोग से प्रदूषण को कम करने में सफलता पाई है। सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए कई अभियान चला रही है, जिसमे एंटी डस्ट अभियान, बायो डीकम्पोज़र का छिड़काव, वृक्षारोपण अभियान, जागरूकता अभियान, मोबाइल एंटी स्मोग गन से पानी के छिड़काव का अभियान आदि प्रमुख है।

मंत्री गोपाल राय ने बताया कि टीम लगातार निर्माण साइट्स का दौरा कर रही है। यह टीम यह सुनिश्चित करेगी कि वहां निर्माण संबंधी दिशा निर्देशों का पालन हो। निर्माण साइट्स पर 14 सूत्रीय नियमों को लागू करना जरूरी है। यह अभियान 7 नवंबर तक चलेगा। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि जो भी साइट्स डस्ट कंट्रोल के नियम का पालन नहीं करेगा, उस पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जायेगी। कंस्ट्रक्शन साइटों पर नियम के उल्लंघन होने नियम के तहत जुर्माना लगाया जाएगा। अगर ज्यादा उलंघन होगा तो कंस्ट्रक्शन साइट को बंद कर दिया जाएगा। गोपाल राय ने कहा कि डस्ट प्रदूषण को रोकने के लिए 85 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों, 500 वॉटर स्प्रिंकलर की पूरी दिल्ली में तैनाती की गयी है। नवम्बर महीने में एक शिफ्ट से बढ़ाकर तीन शिफ्टों में मोबाईल एंटी स्मॉग गन की सड़कों पर तैनाती होगी। धूल प्रदूषण कम करने के लिए हॉटस्पॉट वाले इलाकों में 80 मोबाइल एंटी स्मॉग गन लगाए गए हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एंटी डस्ट कैंपेन को लेकर पर्यावरण विभाग के अधिकारियों को

निर्देश दिया की टीम से रोजाना रिपोर्ट लें। उन्होंने बताया कि टीमों को लगातार निरीक्षण करते रहने के निर्देश दिए गए हैं। अभी तक 2764 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया जा चुका है। कुछ निर्माण स्थलों पर दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन नहीं किया जाने कारण कुल 76 नोटिस जारी किए गए हैं तथा 17 लाख 40 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया है। गोपाल राय ने दिल्ली के लोगों से अपील किया कि कहीं भी अगर उनको निर्माण/विध्वंस कार्य में अनियमितता दिखे तो वे ग्रीन दिल्ली ऐप पर इसकी शिकायत करें।

निर्माण संबंधी जारी 14 नियमों को लागू करना जरूरी

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सभी कंस्ट्रक्शन साइटों पर निर्माण संबंधी जारी 14 नियमों को लागू करना जरूरी है। इसके लिए विभागों को निर्माण साइट्स की लगातार निगरानी करने के निर्देश जारी किए गए है। कंस्ट्रक्शन साइटों पर नियम उल्लंघन होने पर विभाग द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी।

कंस्ट्रक्शन साइटों पर निर्माण के तय किए गए नियम

सभी निर्माण साइटों पर निर्माण स्थल के चारों तरफ धूल रोकने के लिए ऊंची टीन की दीवार खड़ी करना जरूरी है।. धूल प्रदूषण को लेकर पहले केवल 20 हजार वर्ग मीटर से ऊपर के निर्माण साईट पर ही एंटी स्मोग गन लगाने का नियम था। अब नए नियम के आधार पर 5 हजार वर्गमीटर से लेकर उससे अधिक के एरिया के निर्माण साइट पर एंटी स्मोग गन लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। 5 हजार से 10 हजार वर्ग मीटर की निर्माण साईट पर 1 एंटी स्मॉग गन, 10 हजार से 15 हजार वर्ग मीटर साइट पर 2, 15 हजार से 20 हजार वर्ग मीटर की निर्माण साइट पर 3 और 20 हजार वर्ग मीटर से ऊपर की निर्माण साइट पर कम से कम 4 एंटी स्मॉग गन होनी चाहिए। निर्माण और ध्वस्तीकरण कार्य के लिए निर्माणाधीन क्षेत्र और भवन को त्रिपाल या नेट से ढकना जरूरी है।निर्माण स्थल पर निर्माण सामग्री को लाने, ले जाने वाले वाहनों की सफाई एवं पहिए साफ करना जरूरी है।निर्माण सामग्री ले जा रहे वाहनों को पूरी तरह से ढंकना जरूरी है।निर्माण सामग्री और ध्वस्तीकरण का मलबा चिन्हित जगह पर ही डालना जरूरी है, सड़क के किनारे उसके भंडारण पर प्रतिबंध है। किसी भी प्रकार की निर्माण सामग्री, अपशिष्ट, मिट्टी-बालू को बिना ढके नहीं रखना है। निर्माण कार्य में पत्थर की कटिंग का काम खुले में नहीं होनी चाहिए। साथ ही साथ ही वेट जेट का उपयोग पत्थर काटने में किया जाना चाहिए। निर्माण स्थल पर धूल से बचाव के लिए कच्ची सतह और मिट्टी वाले क्षेत्र में लगातार पानी का छिड़काव करना चाहिए। बीस हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र के निर्माण और ध्वस्तीकरण साइट्स जाने वाली सड़क पक्की और ब्लैक टोप्पड होनी चाहिए।निर्माण और ध्वस्तीकरण से उत्पन्न अपशिष्ट का साइट पर ही रिसायकल किया जाना चाहिए या उसका चिन्हित साइट पर निस्तारण किया जाए और उसका रिकॉर्ड मेंटेन किया जाएनिर्माण स्थल पर लोडिंग-अनलोडिंग एवं निर्माण सामग्री या मलबे की ढुलाई करने वाले कर्मचारी को डस्ट मास्क देना पड़ेगा। निर्माण स्थल पर कार्य करने वाले सभी वर्कर के लिए चिकित्सा की व्यवस्था करनी होगी। निर्माण स्थल पर धूल कम करने के उपाय के दिशा-निर्देशों का साइन बोर्ड प्रमुखता से लगाना पड़ेगा।

राजधानी दिल्ली विश्व में प्रदूषित शहर, यह आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के माथे का कलंक है: देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि राजधानी दिल्ली विश्व में प्रदूषित शहरों की श्रेणी हमेशा उच्च स्तर पर रहती है, यह आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के माथे का कलंक है, जिसे मिटाने के लिए अरविन्द केजरीवाल की सरकार पिछले 10 वर्षों से मूल कारणों पर काम करने की बजाय सिर्फ घोषणा, कमेटियों का गठन, विंटर एक्शन प्लान में संशोधन करने जैसे असफल प्रयासरत करते रहे और अब वही प्रक्रिया और कार्यशैली मुख्यमंत्री आतिशी दोहरा रही है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत संवेदनशील है कि एनसीआर के अनुपात में दिल्ली का औसतन एक्यूआई 292 के खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है, जबकि अभी हवा में नमी नही आई है।

यादव ने कहा कि बिना किसी प्रशासनिक पद पर होने के बाद अरविन्द केजरीवाल, मुख्यमंत्री आतिशी के साथ में बैठकर दिल्ली सरकार की योजनाओं की घोषणा कर रहे है

परंतु दिल्ली में वायु और जल प्रदूषण पर चुप्पी साधे है। दूषित यमुना में जहरीला पानी दिल्ली के लिए अभिशाप बन रहा है, जिसके लिए अरविन्द केजरीवाल जिम्मेदार है, क्योंकि तीन वर्षों में 200 करोड़ रुपये यमुना के पानी की सफाई में बह गए। उन्होंने कहा कि राजधानी में वायु प्रदूषण का मूल कारण वाहनों का धुआं, फेक्ट्रियों का धुआं, निर्माण कार्य के धूल कण, टूटी सड़कों की धूल कण मुख्य कारक है। जबकि दिल्ली नगर निगम की 1200 कि0मी0 सड़क है जिसमें से सिर्फ 136 कि0मी0 सड़क ही ठीक ठाक है बाकी 1064 कि0मी0 सड़कों टूटी हुई है जो प्रदूषण के लिए बड़ा कारक सिद्ध हो रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी हर दिन प्रदूषण रोकथाम के लिए कमेटियों, टीम, और योजनाओं की घोषणा कर रही है कल 13 हॉटस्पॉट पर 13 कमेटियों का गठन किया गया जो इन हॉटस्पॉट पर निगरानी रखकर प्रदूषण कम करने के लिए काम करेंगी। दिल्ली सरकार ने कल ग्रेप के दूसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने के बावजूद प्रदूषण में कोई कमी नही आई है। उन्होंने कहा कि कहीं ऐसा तो नही 4 महीने बाद चुनावों में फंड की तैयारी के लिए आम आदमी पार्टी एक साथ सैंकड़ो योजनाओं को लागू करके हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार करने की मंशा से काम कर रही है। क्योंकि जो काम 10 वर्षों में नही हुए वो सभी काम 3-4 महीनों में कैसे संपूर्ण हो सकते है?

यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार की गठित 13 कमेटियों द्वारा विशेष निगरानी के बावजूद 13 हॉटस्पॉट नरेला में एक्यूआई 339, जहांगीरपुरी में 363, बवाना में 358, मुंडका में 378, रोहिणी में 364, अशोक विहार में 301, वजीरपुर में 388, विवेक विहार में 309, पंजाबी बाग में 296, आनंद विहार में 352, द्वारका में 344, आरकेपुरम में 280 ओर ओखला में 303 एक्यूआई रहा। आंकड़े आतिशी सरकार की विफलता को साफ उजागर कर रहे है।

उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में पराली जलाने के कारण प्रदूषण में हिस्सेदारी सबसे अधिक पंजाब में जलाई जा रही है तब गोपाल राय सिर्फ यूपी, हरियाणा, राजस्थान का नाम ही क्यां ले रहे है जबकि पंजाब में जलाई जा रही पराली पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संवेदनशीला दिखाई है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण से जुड़ी औद्योगिक धुआं, कचरे को जलाना, खुले में अपशिष्ट जलाने आदि शिकायतों के निपटारे की 3 वर्षों की रिपोर्ट में भी साफ हो गया है कि दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड पूरी तरह विफल रहे है। निगम 2166 मामले लंबित पड़े है जबकि दिल्ली जल बोर्ड के पास 112 मामले लंबित पड़े है।

इन लोगों ने हमारे नेताओं को जेल भेजकर हमारी पार्टी को तोड़ने की कोशिश की लेकिन वह असफल रहे- सत्येंद्र जैन

सुषमा रानी

नई दिल्ली। जेल से बाहर आने के बाद पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शनिवार देर रात आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। केजरीवाल ने सत्येंद्र जैन को गले लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं, सत्येंद्र जैन ने पहले दिन की शुरुआत परिवार के साथ सरस्वती विहार स्थित जैन मंदिर जाकर पूजा अर्चना कर समर देशवासियों के कल्याण की कामना की। सत्येंद्र जैन ने कहा कि अगर न्यायपालिका और संविधान नहीं होता तो भाजपा की केंद्र सरकार मुझे फांसी पर लटका देती। जब हमने अरविंद केजरीवाल के साथ देश की राजनीति बदलने का अभियान शुरू किया था, तभी से मालूम था कि जेल जाना पड़ सकता है। इन लोगों ने हमारे नेताओं को जेल भेजकर हमारी पार्टी को तोड़ने की कोशिश की लेकिन वह असफल रहे। भाजपा वालों ने मुझे तोड़ने के तमाम हथकंडे अपनाए, जिस बैरक में खूंखार हत्यारों को 15 दिन से ज़्यादा नहीं रखा जाता, वहां मुझे महीनों रखा गया। बैरक मेरे साथ बहुत अत्याचार किया गया, अगर भाजपा मुझे मारना ही चाहती थी तो सीधे फांसी ही दिला देती।

सत्येंद्र जैन ने शनिवार सुबह अपने परिवार के साथ सरस्वती विहार में स्थित जैन मंदिर में पूजा अर्चना की और सभी देशवासियों के कल्याण की कामना की। इस

दौरान सत्येंद्र जैन ने कहा कि मेरा बहुत सालों से नियम है कि मैं मंदिर से आने के बाद ही अन्न ग्रहण करता हूं। काफी समय तक जेल में रहने की वजह से यहां आकर भगवाने क दर्शन नहीं कर पाया। आज यहां भगवान के दर्शन करके उनका आशीर्वाद लिया। भगवान हमेशा दिल में रहते हैं। भगवान से कुछ मांग नही सकते, वो अपने आप देखेगा। मैं हर रोज मंदिर जाता हूं।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि देश के अंदर अभी भी न्याय और संविधान है। सबको इसे मानना पड़ेगा। अगर संविधान, न्याय और अदालतें नहीं होतीं तो आज केंद्र में जिस तरह की सरकार चल रही है वो शायद फांसी पर लटका देती। अरविंद केजरीवाल ने हमसे शुरू में ही कहा था कि हम इस देश की राजनीति को बदलने की कोशिश कर रहे हैं, जो भी यह कोशिश करेगा उसे जेल तो जाना ही पड़ेगा।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि जब केस खुलेगा तो सब सामने आ जाएगा। मैं अकेला ऐसा आदमी हूं। मुझे आम आदमी पार्टी ने 21 अप्रैल 2013 को टिकट दिया था और 31 जुलाई तक यानी 10 दिन के अंदर मैंने अपने सारे बिजनेस बंद कर दिए थे। सब कुछ छोड़ दिया था। मैंने कहा कि मैं लोगों की सेवा और अपना बिजनेस चलाना ये दोनों चीजें एक साथ नहीं कर सकता। इस देश में कई एमएलए, एमपी और मंत्री हैं जो आज भी बिजनेस कर रहे हैं। मेरे ऊपर कोई पाबंदी नहीं थी। मैं कोई मंत्री नहीं बन गया था कि मुझे अपना काम छोड़ना बने। लेकिन इसके बावजूद मैंने सबकुछ छोड़ दिया था। मैंने अपने आर्किटेक्ट की प्रैक्टिस भी बंद कर दी थी। मैं अपना सबकुछ त्यागने के बाद राजनीति में आया था।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि ईडी को इस तथाकथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले की जांच करते हुए सात साल हो गए। लेकिन अभी तक जांच चल ही रही है। 24 अगस्त 2017 को सीबीआई ने केस दर्ज किया और सात दिन बाद 31 अगस्त को ईडी ने केस दर्ज कर लिया। इतना समय बीतने के बावजूद ये आज तक अपनी जांच पूरी नहीं कर पाए हैं। अगर इनसे जांच पूरी नहीं हो रही है, तो ये जांच एजेंसियां कर क्या रही हैं? उनका असली मकसद हमें गिरफ्तार करके केवल जेल में रखना था।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि भाजपा वाले ने मुझे तोड़ने के लिए तमाम हथकंडे अपनाए। उन्होंने मुझे सॉलिटरी कंफाइनमेंट में रखने की कोशिश की, ताकि कोई मुझसे मिल न सके या बात न कर सके। यह सबसे गंभीर सजा होती है।

अरविंद केजरीवाल ने पिछले 10 सालों में दिल्ली के ग़रीब से ग़रीब तबके को बेहतर सुविधाएं दी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी द्वारा शुरू किए गए ''आपका विधायक-आपके द्वार'' कार्यक्रम के तहत शनिवार को सीएम आतिशी ने कालकाजी विधानसभा के भरत नगर, गोविंदपुरी और गोविंदपुरी एक्सटेंशन इलाकों में जनता के समक्ष केजरीवाल सरकार की उपलब्धियों को रखा।

इस दौरान उन्होंने जनता से संवाद करते हुए कहा कि, अरविंद केजरीवाल ने पिछले 10 सालों में दिल्ली के ग़रीब से ग़रीब तबके को बेहतर सुविधाएं दी क्योंकि वो आम आदमी के संघर्ष को समझते है। उन्होंने कहा कि, पूरे देश में अरविंद केजरीवाल एकमात्र ऐसे नेता है जो मुफ्त बिजली, स्कूल, अस्पताल, महिलाओं की बस यात्रा और बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि, अरविंद केजरीवाल जनता के टैक्स के पैसे ख़ुद की जेब में रखने के बजाय जनता पर खर्च करते है, भाजपा इसे मुफ्त की रेवड़ी बताती है। यदि जनता के टैक्स के पैसे से जनता को फ्री बिजली-पानी, फ्री शिक्षा-इलाज, बुजुर्गों को फ्री तीर्थ यात्रा करवाना मुफ्त की रेवड़ी बाँटना है तो केजरीवाल इसे जारी रखेंगे। सीएम आतिशी ने कहा कि, जनता जानती है, आम लोगों के लिए काम करना बस अरविंद केजरीवाल जी को आता है, इसलिए दिल्ली के लोग दोबारा अपने बेटे को सीएम बनायेंगे।

बता दे कि अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में "आप" के सभी विधायक हर गली, मोहल्ले, और चौराहे पर जाकर अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में किए गए काम और दिल्ली सरकार द्वारा जनता के लिए किए गए कामों का हिसाब दे रहे है।

इसी के तहत आज कालकाजी विधानसभा के भरत नगर, गोविंदपुरी, गोविंदपुरी एक्सटेंशन इलाके में आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जहां सीएम आतिशी ने विधानसभा में किए गए अपने कामों और पूरी दिल्ली में अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए कामों को जनता के सामने रखा।

उन्होंने कहा कि, अरविंद केजरीवाल ने पिछले 10 सालों से दिन रात दिल्ली के लोगों के लिए काम किया है। चाहे 24x7 बिजली देना हो, फ्री बिजली देना हो, बुजुर्गों को फ्री तीर्थ यात्रा करवानी हो, महिलाओं को फ्री बस यात्रा करवानी हो, शानदार सरकारी स्कूल बनवाने हो या फिर लोगों को फ्री वर्ल्ड क्लास इलाज मुहैया करवाना हो। ये सब काम सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही कर सकते है।

सीएम आतिशी ने कहा कि, जब हम दिल्ली के लोगों को उनके टैक्स के पैसों से ये सभी सुविधाएं फ्री में देते है तो भाजपा इसे फ्री की रेवड़ी बोलती है।

"एक कदम सांस्कृतिक धरोहर की ओर" पुस्तक का हुआ विमोचन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को संजोते हुए आज की युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से 'एक कदम सांस्कृतिक धरोहर की ओर' पुस्तक का विमोचन किया गया। इंजीनियर अनिल यादव द्वारा लिखित इस पुस्तक विमोचन के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पश्चिमी दिल्ली सांसद कमलजीत सहरावत मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। और इसके अलावा महामंडलेश्वर महंत नवल किशोर दास और महंत नारायण दास भी मौजूद रहे। जिनकी उपस्थिति में इस खास पुस्तक का विमोचन किया गया। इस मौके पर बोलते हुए सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि इस पुस्तक में भारतीय इतिहास और उसकी धरोहर के बारे में

लिखा गया है। वहीं अपने संबोधन मे महामंडलेश्वर नवल किशोर दास ने कहा कि आज जिस तरह से हम अपनी भारतीय सभ्यता और संस्कृति को भूलते जा रहे हैं, ऐसे समय में इस तरह की किताब को सार्वजनिक मंच पर लाना बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने इस किताब की रचना करने के लिए इस किताब के लेखक इंजीनियर अनिल यादव की जमकर सराहना की। इस विशेष अवसर पर पुस्तक के रचनाकार इंजीनियर अनिल यादव ने कहा कि इस पुस्तक को लिखने के पीछे का मुख्य उद्देश्य है कि लोगों को ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के बारे में और उनके इतिहास के बारे में जानने का अवसर मिल सके। आपको बता दें कि इंजिनियर अनिल यादव अब तक पांच पुस्तक लिख चुके हैं।

नई फिल्म सिटी नई संभावनाओं की दुनिया खोलेगी-एल. मुरुगन

सुषमा रानी

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण, संसदीय, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री माननीय एल. मुरुगन ने मारवाह स्टूडियो में एएएफटी (एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन) के छात्रों को संबोधित करते हुए भारत के मीडिया और मनोरंजन उद्योग के तेजी से विकास पर जोर दिया। अपने दौरे के दौरान मंत्री ने उद्योग को और आगे बढ़ाने और देश की जीडीपी में इसके योगदान के लिए सरकार की पहल विषय में अपने विचार प्रस्तुत किये । एल. मुरुगन ने एएएफटी में छात्रों और शिक्षकों से बातचीत करते हुए कहा, कि "भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग काफी विस्तार कर रहा है और हमारे देश की जीडीपी में इसका योगदान उल्लेखनीय है। हम इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि इसे अगले स्तर पर ले जाया जा सके।" संस्थान की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, इस संस्थान को आकार देने में डॉ. संदीप मारवाह की भूमिका है , साथ ही नोएडा फिल्म सिटी,

मारवाह स्टूडियो और कई अन्य संबद्ध उपक्रमों में उनके दूरदर्शी योगदान वास्तव में सराहनीय हैं।" मंत्री ने जेवर हवाई अड्डे के पास आगामी फिल्म सिटी के बारे में भी बात की, और भारत के मीडिया परिदृश्य में इसके द्वारा लाए जाने वाले असंख्य अवसरों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "नई फिल्म सिटी नई संभावनाओं की दुनिया खोलेगी, भारत के मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को और बढ़ावा देगी और देश के समग्र विकास में योगदान देगी।"

इस अवसर पर मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष और नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक डॉ. संदीप मारवाह ने मंत्री के आगमन और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। मंत्री ने इससे पहले मारवाह स्टूडियो में सूरज प्रकाश शूटिंग फ्लोर का उद्घाटन किया और फिल्म, टेलीविजन और मीडिया उद्योगों की सेवा करने वाले मारवाह स्टूडियो और एएएफटी में शिक्षा, प्रशिक्षण और व्यवसाय के लिए उपलब्ध विश्व स्तरीय सुविधाओं का दौरा किया। सराहना के प्रतीक के रूप में, डॉ. मारवाह ने सम्मान और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में मंत्री को एएएफटी के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म और टेलीविजन अनुसंधान केंद्र की आजीवन सदस्यता और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

नए नोएडा का रास्ता साफ, यीडा 209 वर्ग किमी में बसाएगा शहर

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा प्राधिकरण के नए नोएडा मास्टर प्लान 2041 को शासन से स्वीकृति मिल गई है। इस शहर को 209.11 वर्ग किमी (20911.29 हेक्टेयर) भूमि पर बसाया जाएगा। इसमें औद्योगिक आवासीय ग्रीन एरिया और रिक्रिएशनल गतिविधियों के लिए जगह होगी। इस नए शहर में छह लाख लोग रहेंगे और पहले फेज में तीन लाख लोगों को रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे।

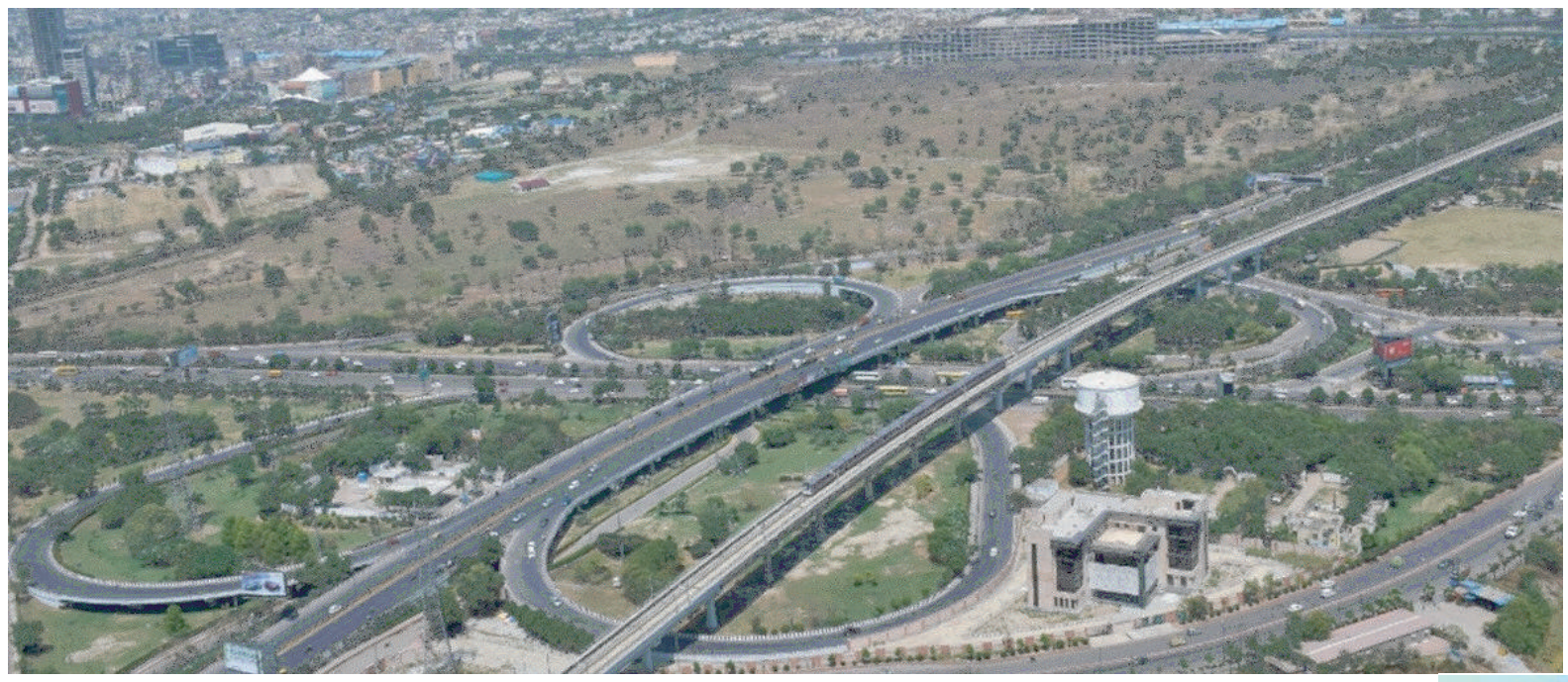

इस प्रकार विकसित होगा शहर

लैंड यूज	हेक्टेयर
रेजीडेंशियल	2,810.54
कमर्शियल	849.97
पीएसपी इंस्टीट्यूशनल	1,739.93
फैसिलिटी/ यूटिलिटी	195.97
इंडस्ट्री	8420
ग्रीन पार्क	1,792.26
ग्रीन बेल्ट एंड बफर	1,432.73
रिक्रिएशन	530.22
वाटर बाडी	122.77
ट्रैफिक और ट्रांसपोटेशन	2,963.61

नोएडा प्राधिकरण के नया नोएडा मास्टर प्लान 2041 को शासन से स्वीकृति मिल गई है। इससे दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन (डीएनजीआईआर) के रूप में 'नया नोएडा' शहर बसाने का रास्ता साफ हो गया है।

इस शहर 209.11 वर्ग किमी (20,911.29 हेक्टेयर) भूमि पर बसाए जाने की योजना है। इसके लिए गौतमबुद्ध नगर के 20 और बुलंदशहर के 60 गांव की जमीन अधिगृहीत की जाएगी। इन गांव को शासन ने पहले ही नोटिफाइड कर दिया है।

SPA से प्लान कराया तैयार

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट (एसपीए) से नोएडा प्राधिकरण ने नया नोएडा बसाने के लिए मास्टर प्लान 2041 तैयार कराया था। इसे नोएडा प्राधिकरण ने सितंबर 2023 में आयोजित 210वीं बोर्ड बैठक में अनुमोदित किया था। इस पर आम लोगों से 19 आपत्तियां आई थीं, जिनका संशोधन किया गया। इसके बाद 12 जनवरी 2024 को शासन के पास मंजूरी के लिए भेजा गया था।

जमीन अधिग्रहण के लिए जारी होगी गाइडलाइन

'नया नोएडा' में जमीन अधिग्रहण नीति (Land Acquisition Policy) क्या होगी। इसके लिए शासन स्तर से जल्द गाइडलाइन जारी की जाएगी। डीएनजीआईआर मास्टर प्लान 2041 में 40 प्रतिशत भू उपयोग औद्योगिक, 13 प्रतिशत आवासीय और ग्रीन एरिया व रिक्रिएशनल गतिविधि के लिए 18 प्रतिशत का प्रावधान किया गया है।

छह लाख लोगों को जगह और ओद्योगक एरिया बसेगा

प्राधिकरण ने 213वीं बोर्ड बैठक में करीब एक हजार करोड़ रुपये जमीन अधिग्रहण के लिए आरक्षित किए हैं। नया नोएडा में 8420.92 हेक्टेयर में औद्योगिक इकाइयों को बसाया जाएगा। इसमें यूपीसीडा को 1370.10 हेक्टेयर के अलावा औद्योगिक एरिया 6885.59 हेक्टेयर और मिक्स इंडस्ट्री 165.22 हेक्टेयर में बसाई जाएंगी। इस नए शहर में छह लाख लोग रहेंगे, जिसके पहले फेज में तीन लाख लोगों को रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे।

यीडा (YEIDA) के मास्टर प्लान 2041 को भी मिली स्वीकृति

प्रदेश सरकार ने नया नोएडा के साथ ही यमुना प्राधिकरण (यीडा) के मास्टर प्लान 2041 को भी स्वीकृति दे दी है। इससे यमुना प्राधिकरण के अलीगढ़ की सीमा तक विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। मास्टर प्लान को मंजूरी के बाद प्राधिकरण के फेज एक में शामिल गांवों की संख्या 226 हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रफल 37539 हेक्टेयर हो गया है। शहर में हरियाली का दायरा बढ़ाकर 14.77 प्रतिशत कर दिया है।

ओलिंपिक विलेज, जापानी व कोरिया सिटी को मंजूरी

मास्टर प्लान 2031 में हरित क्षेत्रफल 11.23 प्रतिशत था। फेज एक में चोला रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट को रेल कनेक्टिविटी के साथ-साथ न्यू नोएडा से कनेक्टिविटी, ओलिंपिक विलेज, जापानी व कोरिया सिटी के लिए भी स्वीकृति मिल गई है। मास्टर प्लान को मंजूरी मिलने के बाद जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज होगी। इसके साथ ही एविएशन हब (Aviation Hub) का विस्तार अलीगढ़ जिले की सीमा पर टप्पल क्षेत्र तक हो गया है। दो नए भूमि उपयोग मल्टी यूज हॉस्पिटेलिटी व मल्टी यूज इंडस्ट्री शामिल की गई है।

> शासन से डीएनजीआईआर के लिए मास्टर प्लान 2041 को मंजूरी मिल गई है। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पर गाइडलाइन के आधार पर काम किया जाएगा। **-सतीश पाल, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नोएडा प्राधिकरण।**

कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा को गाली देने पर मामला दर्ज, विधानसभा चुनाव में वायरल हुआ था वीडियो

हरियाणा में सिरसा से सांसद और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा को एक व्यक्ति द्वारा गाली देने और इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के मामले में गोहाना थाने में मामला दर्ज किया गया है। श्री गुरु रविदास सभा बरवाला के प्रतिनिधियों ने शुरूआत में इस मामले में शिकायत हिसार के बरवाला क्षेत्र के डीएसपी को दी थी।

गोहाना। सिरसा से सांसद और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा को एक व्यक्ति द्वारा गाली देने और इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के मामले में सदर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। श्री गुरु रविदास सभा बरवाला के प्रतिनिधियों ने शुरूआत में इस मामले में शिकायत हिसार के बरवाला क्षेत्र के डीएसपी को दी थी। गाली देने वाला व्यक्ति गोहाना क्षेत्र का मिलने पर उस शिकायत को गोहाना पुलिस के पास भेजा गया। इस पर गोहाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया।

चुनावों के दौरान वीडिया वायरल

श्री गुरु रविदास सभा बरवाला के प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार के अनुसार, विधानसभा चुनाव (Haryana Vidhan Sabha Chunav 2024) के बीच में इंटरनेट मीडिया के एक चैनल पर वीडियो प्रसारित किया गया था, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा सांसद कुमारी सैलजा को गाली दी गई।

व्यक्ति के बारे में हुई जानकारी

इस पर सभा के प्रतिनिधियों ने संज्ञान लेते हुए 16 सितंबर को बरवाला में डीएसपी को शिकायत देकर जांच की मांग की थी। सभा द्वारा वीडियो को लेकर अपने स्तर पर भी जांच की थी, जिससे पता चला कि गोहाना विधानसभा क्षेत्र के व्यक्ति द्वारा सांसद को गाली दी थी।

अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

डीएसपी ने उस शिकायत को डाक से पुलिस उपायुक्त गोहाना कार्यालय में भेज दिया था। उसी शिकायत के आधार पर शनिवार को सदर थाना गोहाना में अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। वीरेंद्र ने कहा कि घटिया किस्म के व्यक्ति ने सांसद कुमारी सैलजा को गाली दी, जिससे पूरे समाज में रोष है।

काम करोगे तो टिकोगे, निकम्मे अधिकारियों की गुरुग्राम में जगह नहीं, राव नरबीर सिंह ने बैठक में लगाई फटकार

परिवहन विशेष न्यूज

राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों की बैठक ली और उन्हें कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि काम करने वाले अधिकारी ही टिकेंगे निकम्मे अधिकारियों की गुरुग्राम में जगह नहीं है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि पांच साल में गुरुग्राम की तस्वीर बदल जाएगी। राव नरबीर बादशाहपुर विधानसभा से दूसरी बार विधायक बने हैं। वर्ष 2014 में उन्होंने ही बादशाहपुर में पहली बार कमल खिलाया था।

गुरूग्राम। नई सरकार के गठन के बाद गुरुग्राम पहुंचे राव नरबीर सिंह ने अव्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि अधिकारी वही टिकेगा जो काम करेगा। निकम्मे अधिकारियों की गुरुग्राम में जगह नहीं है।

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार शनिवार को गुरुग्राम पहुंचे राव नरबीर सिंह ने लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में निगम कमिश्नर के साथ अन्य विभाग के अधिकारियों को भी फटकार लगाई। राव नरबीर सिंह ने निगम कमिश्नर नरसिंह बांगड़ को कहा आप जैसे सीनियर अधिकारी गुरुग्राम में होते हुए भी शहर नर्क बना हुआ है।

राव नरबीर सिंह ने बैठक में अधिकारियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ये नायब सरकार है, भ्रष्टाचारियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

बादशाहपुर विधानसभा से दूसरी बार विधायक बने हैं राव नरबीर

राव नरबीर बादशाहपुर विधानसभा से दूसरी बार विधायक बने हैं। वर्ष 2014 में उन्होंने ही बादशाहपुर में पहली बार कमल खिलाया था। वह पहली बार 1987 में 26 साल की उम्र में जाटूसाना से राव इंद्रजीत सिंह को हराकर विधायक बनने के साथ ही ताऊ देवीलाल सरकार में गृह राज्यमंत्री बने थे।

1996 में सोहना से विधायक बनने के साथ ही बंसीलाल सरकार में परिवहन एवं सहकारिता मंत्री बने। 2014 में बादशाहपुर से विधायक चुने जाने के बाद मनोहर लाल सरकार में लोक निर्माण एवं वन मंत्री बने। अब 2024 में चौथी बार विधायक बनने के साथ ही नायब सिंह सैनी सरकार में मंत्री बने हैं।

पांच साल में बदल जाएगी गुरुग्राम की तस्वीर: राव नरबीर सिंह

राव नरबीर सिंह प्रदेश की सबसे बड़ी विधानसभा सीट बादशाहपुर है। मतदाताओं की संख्या पांच लाख से अधिक पहुंच चुकी है। इस सीट से इस बार भाजपा ने राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह को उतारा था।

वह शुरू से ही कह रहे थे कि उनकी जीत पक्की है। उन्हें यदि कोई क्षेत्र में चुनौती दे सकता है तो वह हैं राव इंद्रजीत सिंह। राव इंद्रजीत सिंह के अलावा उनका कोई मुकाबला नहीं कर सकता।

प्रदूषण फैलाने पर ताबड़तोड़ एक्शन, गौड़ संस इंडिया और LNT पर 10-10 लाख का जुर्माना; कार्रवाई से मचा हड़कंप

ग्रेप नियमों के उल्लंघन पर गौड़ संस इंडिया और एलएनटी पर 10-10 लाख का जुर्माना लगाया गया है। गाजियाबाद में प्रदूषण फैलाने वालों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इसके लिए तीन टीमें कार्य कर रही हैं। बताया गया कि गुरुवार को निर्माणाधीन आवासीय परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया। इसी दौरान यह कार्रवाई की गई है।

साहिबाबाद। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ग्रेप (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के नियमों का उल्लंघन कर धूल उड़ाकर प्रदूषण फैलाने पर गौड़ संस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड व मैसर्स प्रेसटीज सिटी इंदिरापुरम कार्यकारी संस्था एलएनटी लि. पर 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में वसूला जाएगा।

खबर के मुख्य प्वाइंट्स-

गौड़ संस इंडिया और एलएनटी पर 10-10 लाख का जुर्माना

धूल और धुएं में उड़ीं ग्रेप की पाबंदी

देश में पांचवां प्रदूषित शहर बना गाजियाबाद

जिले का एक्यूआइ 252 दर्ज किया गया

मुजफ्फरनगर 327 एक्यूआइ के साथ सबसे प्रदूषित रहा

वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइट के अनुसार, बृहस्पतिवार को गाजियाबाद 252 एक्यूआइ के साथ देश में पांचवां सबसे प्रदूषित शहर रहा। देश में मुजफ्फरनगर 327 एक्यूआइ के साथ सबसे प्रदूषित रहा।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी विकास मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को निर्माणाधीन आवासीय परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मेसर्स गौड़संस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गौर बिज़ पार्क, प्लाट नंबर-एक, अभय खंड दो में निर्माण कार्य के दौरान धूल से प्रदूषण फैलता पायागया।

वहीं मैसर्स प्रेसटीज सिटी इंदिरापुरम (टीपीसीआइ) कार्यदायी संस्था मैसर्स एलएनटी लि. द्वारा ग्राम अकबरपुर बहरामपुर मिर्जापुर निकट सिद्धार्थ विहार में निर्माण कार्य कर प्रदूषण फैलाया जा रहा था। धूल उड़ने से रोकने के इंतजाम नहीं मिले। ग्रेप के पहले चरण के नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई करते हुए दोनों पर कुल 20 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

गौड़ ग्रुप के मीडिया प्रभारी ने बताया कि हमें किसी भी प्रकार का कोई नोटिस नहीं मिला है। नोटिस मिलने पर उसका जवाब दिया जायेगा। हम हर प्रकार से ग्रेप के नियमों का पालन कर रहे हैं और वातावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग कर रहे हैं। वहीं, जिले में प्रदूषण रोकने में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) समेत 20 से अधिक विभाग फेल साबित हो रहे हैं।

ग्रेप के पहले चरण की पाबंदी लागू हो गई हैं, लेकिन अधिकारी पालन नहीं करा पा रहे हैं। यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी का दावा है कि प्रदूषण रोकथाम के लिए नगर निगम, जीडीए, पीडब्ल्यूडी, परिवहन विभाग समेत सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर प्रदूषण रोकथाम के लिए कार्रवाई की जा रही है। सभी अपने-अपने क्षेत्रों की सड़कों पर पानी का छिड़काव करा रहे हैं।

प्रदूषण बोर्ड और नगर निगम की टीम कूड़े की निगरानी कर रही है। स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। सड़कों पर धूल जरूर उड़ रही है, लेकिन पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। जगह-जगह कूड़े को जलाया जा रहा है। इससे निकलने वाला धुआं प्रदूषण को बढ़ावा दे रहा है।

> ग्रेप के नियमों का उल्लंघन करने पर गौड़संस इंडिया व एलएनटी पर 10-10 लाख का जुर्माना लगाया गया है। **विकास मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड**

इस स्थानों पर दिनभर जलता रहा कूड़ा

जिले में बृहस्पतिवार को 15 से अधिक स्थानों पर कूड़ा जलता पाया गया। पांडव नगर में दिनभर कूड़े में आग लगती रही। इस पर किसी का ध्यान नहीं गया। वहीं हिंडन बैराज के पास हिंडन नहर रोड पर और एबीइएस कालेज के पास भी कूड़े के ढ़ेर में आग लगने से धुआं उठता रहा। इसके अलावा वैशाली, लोनी और मुरादनगर में भी कई स्थानों पर कूड़ा जलता मिला।

सभी स्टेशनों पर खराब श्रेणी में दर्ज किया गया एक्यूआइ

जिले में प्रदूषण मापने के लिए वसुंधरा, इंदिरापुरम, संजय नगर व लोनी में प्रदूषण मापक यंत्र लगाए गए हैं। लोनी का प्रदूषण मापक यंत्र बंद रहा। वहीं, शेष सभी स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

जिले के स्टेशनों का एक्यूआइ

स्टेशन	एक्यूआइ
इंदिरापुरम	238
संजय नगर	270
वसुंधरा	248
लोनी	बंद

ग्रेप के नियमों का उल्लंघन करने पर गौड़संस इंडिया व एलएनटी पर 10-10 लाख का जुर्माना लगाया गया है। प्रदूषण फैलाने वालों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इसके लिए तीन टीम कार्य कर रही हैं। - विकास मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

नोएडावासियों के लिए अच्छी खबर, जेवर एयरपोर्ट से पहले दिन जुड़ेंगे देश के 25 शहर; विदेश जाने के लिए भी तीन फ्लाइट्स

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अगले साल 17 अप्रैल से शुरू हो रहा है। पहले दिन से ही देश के 25 शहरों के लिए 25 घरेलू विमान सेवाएं शुरू हो जाएंगी। इसके अलावा तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शुरू होंगी। 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक चली जांच के बाद डीजीसीए ने प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। 15 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच बिना यात्रियों के फ्लाइट ट्रायल शुरू होगा।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 17 अप्रैल को दो कार्गो, 25 घरेलू और तीन अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा के साथ शुरू हो जाएगा। इससे देश के 25 शहर गौतमबुद्ध नगर से सीधे जुड़ जाएंगे। महानिदेशालय नागर विमानन ने नोएडा एयरपोर्ट से 25 घरेलू सेवाओं को शुरू करने पर सहमति दे दी है। तीन अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट भी शुरू होंगी। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) ने इसके लिए अनुमति दे दी है। हालांकि अभी इस पर केंद्र सरकार का निर्णय होना शेष है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कामर्शियल ऑपरेशन के लिए 17 अप्रैल की तारीख तय हो चुकी है। इससे पहले एयरपोर्ट के संचालन से जुड़ी जांच एवं केंद्रीय विभागों की अनापत्ति की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक चले इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की जांच के बाद डीजीसीए ने प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। 15 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच बिना यात्रियों के फ्लाइट ट्रायल शुरू होगा।

25 घरेलू विमान सेवाओं को शुरू करने की स्वीकृति

एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने के लिए विकासकर्ता कंपनी की ओर से डीजीसीए के यहां आवेदन किया गया था। इसी माह हुई बैठक में डीजीसीए ने एयरपोर्ट के शुरू होने पर 25 घरेलू विमान सेवाओं को शुरू करने पर अपनी स्वीकृति दे दी है। इसके माध्यम से नोएडा एयरपोर्ट से देश के 25 शहरों को पहले दिन से ही विमान सेवा उपलब्ध हो जाएगी।

आईएटीए ने भी तीन अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा के लिए दी मंजूरी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह का कहना है कि यात्रियों की संख्या बढ़ने पर घरेलू विमान सेवाओं की संख्या में भी वृद्धि होगी। शुरुआत में 25 शहरों के लिए विमान सेवा शुरू करने पर स्वीकृति मिली है। आईएटीए ने भी तीन अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा के लिए अपनी स्वीकृति दे दी है, अभी इस पर केंद्र सरकार ने निर्णय होना बाकी है। कार्गो के लिए भी दो विमान सेवा शुरू होंगी।

टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा

एयरपोर्ट के टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है। दिसंबर तक सभी कार्य पूरे जो जाएंगे। दिसंबर में ही विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. की ओर से डीजीसीए के यहां एयरोड्रोम लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाएगा। तीस नवंबर को क्रू मेंबर के साथ ट्रायल फ्लाइट प्रस्तावित है।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

ब्लूस्मार्ट ने ड्राइवर पार्टनर्स के लिए नई टिपिंग सुविधा की शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी राइड-हेलिंग सर्विस ब्लूस्मार्ट ने अपने ऐप पर टिपिंग फीचर शुरू किया है, जिससे राइडर्स अपने ड्राइवर पार्टनर को टिप दे सकते हैं। फेस्टिव कैंपेन #RideToCelebrate के हिस्से के रूप में, ब्लूस्मार्ट राइडर्स द्वारा दी गई हर टिप को मैच करेगा, जिससे ड्राइवर के साप्ताहिक भुगतान में जमा की जाने वाली राशि प्रभावी रूप से दोगुनी हो जाएगी। जब ब्लूस्मार्ट उनकी टिप मैच करेगा, तो राइडर्स को सूचित किया जाएगा।

इस सुविधा का उद्देश्य सवारियों को अपने ड्राइवरों के प्रति आभार प्रकट करने का एक आसान तरीका प्रदान करना है। ब्लूस्मार्ट फ्लीट के सह-संस्थापक और सीईओ अनिरुद्ध अरुण ने कहा, ₹हमारे ड्राइवर पार्टनर इस अनुभव की रीढ़ हैं... हमारे ग्राहकों द्वारा दिए गए सुझावों से मेल खाते हुए, हम आनंद को बढ़ा रहे हैं और हर यात्रा को #RidetoCelebrate बना रहे हैं।₹

2019 में स्थापित, ब्लूस्मार्ट एक दक्षिण एशियाई इलेक्ट्रिक, फुल-स्टैक, वर्टिकल इंटीग्रेटेड ईवी राइड हेलिंग सर्विस और ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क है। ब्लूस्मार्ट दिल्ली एनसीआर और बैंगलोर में काम करता है और जून 2024 में यूएई में प्रीमियम ऑल-इलेक्ट्रिक लिमोसिन सेवा के रूप में लॉन्च होने के साथ ही इसने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय कदम रखा। ब्लूस्मार्ट को यूनाइटेड स्टेट्स पेटेंट एंड ट्रेडमार्क ऑफिस द्वारा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए अपने अग्रणी आवंटन प्रणाली के लिए अमेरिकी पेटेंट प्रदान किया गया है।

ब्लू एनर्जी मोटर्स ने एलएनजी ट्रकों के माध्यम से 7,500 टन CO2 उत्सर्जन बचाने की घोषणा की

परिवहन विशेष न्यूज

शून्य-उत्सर्जन ट्रक निर्माण कंपनी, ब्लू एनर्जी मोटर्स ने एलएनजी-संचालित ट्रकों की तैनाती के बाद से 7,500 टन CO2 उत्सर्जन की बचत की घोषणा की है, जो एक वर्ष में 300,000 परिपक्व पेड़ों की कार्बन अवशोषण क्षमता के बराबर है।

ब्लू एनर्जी की यह उपलब्धि परिवहन क्षेत्र में स्वच्छ ईंधन विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के एलएनजी मिशन का समर्थन करती है। कंपनी एलएनजी ट्रक बनाती है, जो 30% तक कम CO2 उत्सर्जित करते हैं और हानिकारक कण पदार्थ, सल्फर ऑक्साइड और शोर को कम करते हैं।

ब्लू एनर्जी मोटर्स के सीईओ अनिरुद्ध भुवालका ने कहा कि 7,500 टन CO2 की बचत को पार करना टिकाऊ परिवहन समाधानों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कंपनी अभिनव स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में निवेश करना जारी रखेगी जो उद्योग को हरित भविष्य की ओर ले जाती हैं।

ब्लू एनर्जी मोटर्स ने अपने एलएनजी ट्रक बेड़े का लगातार विस्तार किया है, जिससे लॉजिस्टिक्स उद्योग को एक टिकाऊ परिवहन विकल्प मिला है। कंपनी के ट्रक, जो विशेष रूप से लंबी दूरी के परिवहन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, प्रदूषण को कम करने और भारत भर में फॉर्च्यून 500 कंपनियों के स्वच्छ लॉजिस्टिक्स संचालन

का समर्थन करने में मदद करते हैं।

सरकार के एलएनजी मिशन का उद्देश्य एलएनजी को स्वच्छ ईंधन विकल्प के रूप में बढ़ावा देना है, खास तौर पर डीजल पर निर्भरता को कम करना, जो प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत रहा है। कार्बन उत्सर्जन को कम करने और हानिकारक कण पदार्थ और नाइट्रोजन ऑक्साइड को काफी कम करके वायु गुणवत्ता में सुधार करने की क्षमता के कारण एलएनजी को एक व्यवहार्य समाधान के रूप में देखा जाता है। ब्लू एनर्जी मोटर्स भारत में एलएनजी ट्रक बनाने वाली पहली कंपनी थी।

भारत स्टेज मानदंड भारत में मोटर वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए प्राथमिक विनियामक ढाँचा है। 1 अक्टूबर, 2020 से, भारत ने सभी नए भारी-भरकम वाहनों के लिए BS VI मानदंड लागू किए, जिससे नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx), पार्टिकुलेट मैटर (PM), हाइड्रोकार्बन (HC) और कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) जैसे प्रदूषकों के अनुमेय स्तर में उल्लेखनीय कमी आई।

कार की तरह बाइक में भी होते हैं सेफ्टी फीचर्स, कैसे करते हैं काम

कार की तरह ही बाइक में सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। जिनके बारे में बहुत से लोगों को पता नहीं होता है। हम यहां पर आपको ऐसे ही तीन सेफ्टी फीचर्स के बारे में बता रहे हैं जो राइडर को सुरक्षित रखते हैं। साथ ही बता रहे हैं कि वह किस तरह से काम करते हैंऔर बता रहे हैं कि बाइक चलाने के दौरान आपको कौन से किट पहनने चाहिए।

नईदिल्ली। कार में जिस तरह से ड्राइवर की सेफ्टी के लिए कई सारे सेफ्टी फीचर्स दिए गए होते हैं, ठीक उसी तरह से ऑटो कंपनियां भी बाइक में राइडर की सेफ्टी के लिए कई सारे फीचर्स देती हैं। यह सेफ्टी फीचर्स राइडर की सुरक्षित रखती हैं। हम यहां पर आपको बाइक में मिलने वाले ऐसे ही तीन सेफ्टी फीचर्स के बारे में बता रहे हैं।

ABS फीचर

बाइक में ABS का फीचर दिया जाता है, इसका फुल-फॉर्म एंटी ब्रेकिंग सिस्टम होता है। अक्सर बाइक चलाते समय अचानक से अगर सामने आ जाता है, जिसकी वजह से आपको ब्रेक लगाना पड़ता है। ऐसा होने पर बाइक के फिसलने के चांस ज्यादा होते हैं। इस सिचुएशन में बाइक न फिसले इसके लिए बाइक

में ABS दिया जाता है। हालांकि, यह फीचर कुछ भी बाइक में देखने के लिए मिलता है।

Traction Control System फीचर

बाइक में मिलने वाला ट्रेक्शन कंट्रोल सिस्टम के फिसलने से रोकने में मदद करती है। यह फीचर्स सड़क गीली या फिर सड़क पर मिट्टी या बालू होने पर बाइक को फिसलने से रोकने में काम आता है। बाइक में इस फीचर को होने पर राइडर को हैंडलिंग और ग्रिप बाकी बाइक के मुकाबले ज्यादा मिलती है। यह फीचर हर बाइक में नहीं मिलती है, लेकिन मार्केट में आपो यह फीचर कुछ मॉडल्स में देखने के लिए मिल जाएगा।

Combined Braking System फीचर

कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम का फीचर जिस बाइक में नहीं होता है उस मोटरसाइकिल में कंपनी आगे और पिछले पहिये के लिए अलग-अलग ब्रेक का इस्तेमाल करती हैं। इस फीचर के तहत बाइक के दोनों पहियों को एक साथ ब्रेकिंग सिस्टम के साथ जोड़ा जाता है। इस ब्रेकिंग सिस्टम के साथ दोनों पहिये जुड़े रहने पर लेफ्ट साइड की ब्रेक दबाने पर दोनों पहिये रुक जाते हैं। यह फीचर भी आपको कुछ बाइक के मॉडल में देखने के लिए मिसेगा।

डिस्क ब्रेक फीचर

हाल के समय में तकरीबन सभी गाड़ियों में डिस्क ब्रेक देखने के लिए मिल रहा है। यह गाड़ी को पहियों को रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बाइक में यह फीचर होने पर अचानक ब्रेक लगाने पर ड्रम ब्रेक की तुलना में बाइक की स्पीड धीमी हो जाती है और मोटरसाइकिल रुक जाती है।

जरूर पहने ये सेफ्टी गियर

जब आप बाइक चलाने जा रहे हो तो आप सेफ्टी गियर का जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। इनमें हेलमेट, राइडिंग जैकेट, राइडिंग ग्लव्स, राइडिंग पैंट्स, राइडिंग बूट्स, रिफ्लेक्टिव वेस्ट, फर्स्ट एड किट, क्लियर और सन-वाइजर, एल्बो और नी गार्ड्स, इमरजेंसी टूल किट और हाइड्रेशन पैक शामिल है। बाइक चलाते समय इसका इस्तेमाल करने पर आप सुरक्षित रहते हैं।

लीफ़ीबस और एएमयू 10 नई अंतर-शहर ई-बसों के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को देंगे बढ़ावा

परिवहन विशेष न्यूज

इस सहयोग का उद्देश्य लंबी दूरी की यात्रा से जुड़े कार्बन उत्सर्जन को कम करना और यात्रियों के लिए लागत प्रभावी परिवहन विकल्प उपलब्ध कराना है।

दिल्ली स्थित बस ऑपरेटर लीफ़ीबस ने अंतर-शहर संचालन के लिए 10 इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा लॉन्च करने के लिए गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी एएमयू के साथ साझेदारी की है। एएमयू द्वारा वित्तपोषित ये बसें शुरू में लोकप्रिय दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर सहित उच्च यातायात वाले मार्गों पर चलेंगी।

बसें सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जैसे कि सीसीटीवी निगरानी, वास्तविक समय पर नज़र रखना और ऑनबोर्ड सहायता के लिए एक समर्पित ₹बस बडी₹। लीफ़ीबस ने कहा कि बसों में सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम भी हैं।

लीफ़ीबस के संस्थापक और सीईओ रोहन दीवान ने कहा, ₹लीफ़ीबस में हमारा लक्ष्य पूरे भारत में इलेक्ट्रिक यात्रा को आदर्श बनाना है। एएमयू के साथ साझेदारी करने से हमें इस लक्ष्य के और करीब पहुंचने में मदद मिलेगी, क्योंकि इससे लोगों के लिए पर्यावरण के अनुकूल तरीके से शहरों के बीच यात्रा करना आसान हो जाएगा।₹

एएमयू के संस्थापक और प्रबंध निदेशक नेहल गुप्ता ने कहा, ₹लीफ़ीबस को अपने बेड़े का विस्तार करने के लिए सशक्त बनाकर, हम स्वच्छ परिवहन समाधान सक्षम कर रहे हैं जो पर्यावरण और गतिशीलता के भविष्य दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।₹

लीफ़ीबस ने 200 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए जेबीएम इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के साथ साझेदारी की है, जिनमें से पहली 50 बसें अगले वर्ष के भीतर पेश की जाएंगी।

भारत में इलेक्ट्रिक बसों की लोकप्रियता बढ़ रही है क्योंकि देश वायु प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने का प्रयास कर रहा है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहर सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने और गंभीर शहरी प्रदूषण से निपटने के लिए इलेक्ट्रिक बसों को अपना रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने और विनिर्माण यानी फेम योजना जैसी पहलों के माध्यम से भारत सरकार द्वारा सतत गतिशीलता के लिए किए जा रहे प्रयासों ने इस बदलाव को गति दी है।

कई राज्य परिवहन निगम इलेक्ट्रिक बसों के लिए बड़े ऑर्डर दे रहे हैं, जबकि टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड जैसी कंपनियाँ बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ा रही हैं। इलेक्ट्रिक बसें, जो शांत और स्वच्छ संचालन प्रदान करती हैं, शहरों को उनके कार्बन पदचिह्न कम करने में भी मदद करती हैं। जैसे-जैसे बैटरी तकनीक में सुधार होता है और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार होता है, इलेक्ट्रिक बसों में बदलाव की गति और तेज़ होने की उम्मीद है, जिससे भारत अपने जलवायु और ऊर्जा लक्ष्यों के और करीब पहुँच जाएगा।

लीफ़ी बस एक तकनीक-सक्षम, प्रीमियम ईवी बस ऑपरेटर है जो अनुभवी पेशेवरों द्वारा प्रबंधित दिल्ली में स्थित है। एएमयू लीजिंग का दावा है कि उसने 13 भारतीय राज्यों में 6,000 से अधिक वाहनों की खरीद का समर्थन किया है।

आईआईटी भुवनेश्वर इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक पर 09 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स करेगा शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

आईआईटी भुवनेश्वर जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक पर एक उन्नत प्रमाणपत्र कार्यक्रम शुरू करेगा। नौ महीने का यह कोर्स उन पेशेवरों और स्नातकों को लक्षित करता है जो मोटर, नियंत्रक और बैटरी इंजीनियरिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए ईवी डिजाइन में उन्नत विशेषज्ञता चाहते हैं। पाठ्यक्रम में ऊर्जा भंडारण, चार्जिंग नेटवर्क, आपूर्ति श्रृंखला और स्थिरता शामिल है।

आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार, 18 अक्टूबर को बताया कि लाइव सत्र, स्व-गति वाले मॉड्यूल, प्रयोगशाला में काम और औद्योगिक दौरों के मिश्रण के माध्यम से वितरित यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को ई-मोबिलिटी और ऊर्जा भंडारण में करियर के लिए तैयार करता है। आईआईटी भुवनेश्वर के रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क (आरईपी) के सीईओ शुभंकर पाटी ने कहा कि वे इस पाठ्यक्रम को डिजिटल रूप से वितरित करेंगे। उन्होंने कहा, ₹छात्रों के लिए एक बातचीत सत्र आयोजित किया जाएगा। पाठ्यक्रम के दौरान, उन्हें दो मौकों (16-दिवसीय सत्र और 21-दिवसीय सत्र) पर व्यावहारिक/प्रयोगशाला कक्षाओं में

शारीरिक रूप से उपस्थित होना होगा।₹

पाटी ने कहा कि छात्र संस्थान में इंटर्नशिप प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ₹चूंकि हमारे पास कई स्टार्टअप कंपनियां हैं, वे उनसे व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। यह कोर्स बीटेक डिग्री रखने वालों के लिए है, जो ईवी तकनीक के बारे में सीखना चाहते हैं।₹

आईआईटी भुवनेश्वर इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक पर नौ महीने का एडवांस सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू कर रहा है, जिसका लक्ष्य बीटेक डिग्री वाले पेशेवर हैं। कुछ व्यक्तिगत प्रयोगशाला सत्रों के साथ डिजिटल रूप से पेश किए जाने वाले इस कोर्स में ईवी डिजाइन, बैटरी इंजीनियरिंग और स्थिरता को शामिल किया गया है। पीपैनिफोल्ड ईवी अकादमी के साथ सहयोग और उद्योग के अनुभव का उद्देश्य ई-मोबिलिटी में करियर के लिए शिक्षार्थियों को तैयार करना है।

ईकेए मोबिलिटी को नागपुर नगर निगम से 250 इलेक्ट्रिक बसों का मिला ऑर्डर

परिवहन विशेष न्यूज

पिनेकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के एक विभाग ईकेए मोबिलिटी ने नागपुर नगर निगम (एनएमसी) से 250 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति का ऑर्डर प्राप्त किया है। यह एनएमसी के लक्ष्य के अनुरूप है, जिसके तहत पर्यावरण के अनुकूल और विश्वसनीय सेवाएं शुरू करके सार्वजनिक परिवहन में सुधार किया जाएगा। नई इलेक्ट्रिक बसें पूरे शहर में प्रमुख मार्गों पर चलेंगी, जिसका उद्देश्य परिचालन लागत और उत्सर्जन को कम करते हुए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में सुधार करना है।

तैनाती का ठेका हंसा वाहन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है, जिसे पहले मेसर्स हंसा ट्रैवल्स के नाम से जाना जाता था, जिसने ईकेए मोबिलिटी के साथ साझेदारी की है। ईकेए हंसा ट्रैवल्स को 12 मीटर की वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें बनाएगी और वितरित करेगी। इसके अतिरिक्त, कंपनी अनुबंध अवधि के दौरान बसों के लिए रखरखाव सेवाएँ प्रदान करेगी। प्रत्येक बस में 41 यात्री बैठ सकेंगे, जबकि 24 यात्री खड़े होकर यात्रा कर सकेंगे।

इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, ईकेए मोबिलिटी के मुख्य विकास

अधिकारी रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि एनएमसी के साथ साझेदारी भारत के सार्वजनिक परिवहन में स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के लिए संक्रमण का समर्थन करती है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह आदेश भारत भर के शहरों में टिकाऊ गतिशीलता समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में ईकेए की उपस्थिति को मजबूत करता है।

इक्विटी पार्टनर्स मित्सुई कंपनी लिमिटेड (जापान) और वीडीएल ग्रुप (नीदरलैंड) द्वारा समर्थित ईकेए ने पहले दिल्ली में एयरपोर्ट पर उबर शटल सेवाओं के लिए, पुणे में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर और #UBERReads के हिस्से के रूप में अपनी इलेक्ट्रिक बसें तैनात की हैं। कंपनी भारत में इलेक्ट्रिक डिलीवरी वैन की आपूर्ति के लिए IKEA के साथ भी साझेदारी करती है।

प्राथमिक शिक्षा में देश को दोबारा गुरुकुल परंपरा की ओर ले जा सकते हैं

विजय गर्ग

सरकार की प्राथमिकताओं में गुणवत्ता पूर्ण और निशुल्क प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य बनाने पर काफी बातें होती हैं, लेकिन इसमें जुटा सरकारी तंत्र और विद्यालय जो नतीजे दे रहे हैं, वे चिंताजनक हैं। भारत जैसे देश में निजी संस्थाओं को छोड़ दें, तो सरकारी विद्यालय कैसे हैं, यह सर्वविदित है। एक कटु सत्य भी है कि प्राचीन काल में हमारी बाल शिक्षा, जिसे अब प्राथमिक कह सकते हैं, विश्व में सबसे अलग थी। गुरुकुल की सबसे पुरानी परंपरा का उदाहरण आज भी दुनिया देती है। इसी कारण भारत विश्व गुरु कहलाया । गुरुकुलों को पहले मुगलों ने प्रभावित किया, फिर अंग्रेजों ने बंद ही करवा दिया। इस पद्धति में दंड नहीं दिया जाता था, लेकिन मुगलों दौर में बदलाव लाकर शिक्षक को दंड पकड़ा दिया गया। अंग्रेजी हुकूमत ने गुरुकुलों को गैर-कानूनी तक घोषित कर दिया।

प्राथमिक शिक्षा की गुरुकुल पद्धति कैसी थी, इसके उदाहरण दिए जाते हैं। यह कैसे नष्ट हुई, इस पर विदेशी विद्वानों की भी चिंताएं सामने आईं। अमेरिका के प्रसिद्ध लेखक, इतिहाकार एवं दार्शनिक विलियम जेम्स डुरांट की किताब 'द स्टोरी आफ सिविलाइजेशन' में बड़ी साफगोई से काफी कुछ लिखा गया है। इसकी कुछ पंक्तियां सच्चाई दर्शाती हैं, 'भारत से ही हमारी सभ्यता की उत्पत्ति हुई थी। संस्कृत सभी यूरोपीय भाषाओं की मां है। हमारा समूचा दर्शन संस्कृत से उपजा है। हमारा गणित इसकी देन है। लोकतंत्र और स्वशासन भी भारत से ही उपजा है।' विडंबना देखिए कि आज कि आज उस देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर पीड़ा व्यक्त की जाती है, लेकिन जो सत्य है, वह के सामने है। इसी पुस्तक में वे लिखते हैं कि 'भारत के बारे में पुख्ता ढंग से मामले में मैं के पूर्व और बहुत गरीब सिद्ध हुआ हूँ। लिखने के पहले दो लिखने के पश्चिम की यात्राएं की। उत्तर से लेकर दक्षिण के शहर देखें।

पुरानी सभ्यता के सामने मेरा ज्ञान सामने मेरा ज्ञान बहुत तुच्छ और टुकड़ का है। इसके दर्शन, साहित्य, धर्म और कला का विश्व में कोई सानी नहीं है। इस देश की अंतहीन धनाढ्यता इसकी ध्वस्त हो चुकी शान और 'स्वतंत्रता के लिए शस्त्रहीन संघर्ष' से अब भी झांकती है। यहां मेहनतकश स्तकश लोगों को अपने सामने भूख से मरते देखा। ये अकाल या जनसंख्या वृद्धि से नहीं, बल्कि ब्रिटिश शासन की चाल से तिल-तिल कर मर रहे थे। भारतीयों के साथ घिनौना अपराध इतिहास में दर्ज हो चुका है। अमेरिकी होकर भी मैं ब्रितानियों के इस अत्याचार की निंदा करता है।'

जब अंग्रेज भारत आए तो देश में शिक्षा का एक सुगठित ढांचा था। बच्चे गुरुकुल में में पढ़ते थे। अंग्रेजों ने इस प्राचीन शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त कर व्यावसायिक विद्यालयों को बढ़ावा दिया। उन्होंने प्राचीन शिक्षा व्यवस्था का आधा हिस्सा तो आते ही तबाह कर दिया। इसके बाद भारत में शिक्षा आमजन के लिए आसान नहीं रही। यहां 1850 तक सात लाख 32 हजार गुरुकुल थे। यानी प्रत्येक गांव में एक प्राथमिक विद्यालय था, जिसकी शिक्षा व्यवस्था अत्यंत उन्नत थी। वर्ष 1858 में भारतीय शिक्षा कानून' बनाया गया, जिसका मसविदा मैकाले का था। इस तरह बड़ी साजिश के तहत गुरुकुलों का अस्तित्व समाप्त कर उसे पाश्चात्य रंग में रंगने और फूट डालो शासन करो की नीति के तहत षडयंत्र हुए। गुरुकुलों का दमन कर ऐसी शिक्षा व्यवस्था बनाई कि स्वतंत्रता के 77 वर्षों के बाद भी यह भटकी हुई लगती है।

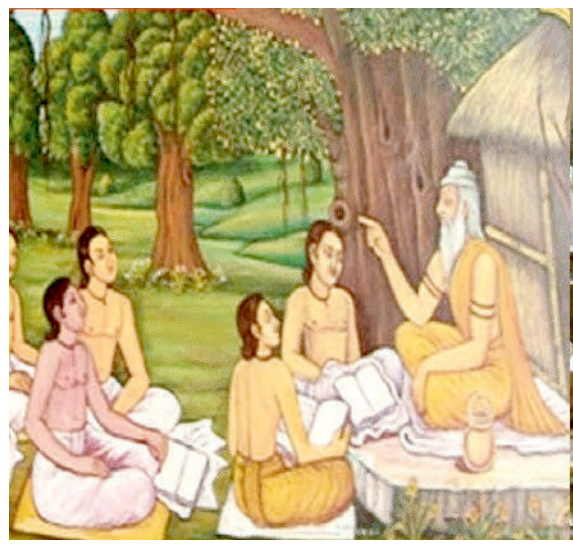

भारत के बाद डेनमार्क दुनिया का पहला देश कहलाया, जिसने अनिवार्य सामूहिक शिक्षा की सरकार नियंत्रित प्रणाली शुरू की। यहां 1721 में स्कूल विकसित हुए। वर्ष 1814 में समन्वय आयोग की रपट बाद शिक्षा प्रणाली का आधार बना। जबकि इंग्लैंड में प्राथमिक शिक्षा की अंग्रेजी प्रणाली पश्चिमी यूरोप के दूसरे देशों की तुलना विकसित हुई। उन्नीसवीं सदी में ज्यादातर प्राथमिक शिक्षा चर्च द्वारा मुख्य रूप से गरीब बच्चों को दी जाती थी। शिक्षा के विस्तार में सरकार की रुचि नहीं थी। * 1860 में प्राथमिक विद्यालयों के संगठन से संबंधित नियमों की एक राज्य संहिता तैयार कराई और 1862 2 में इसे समायोजित किया। स्कूली पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और निरीक्षण की छात्रों के पढ़ने-लिखने के स्तर राष्ट्रीय प्रणाली बनाई गई। इसमें कुछ स्कूलों के लिए वित्तपोषण और गणित कौशल की जांच जांच होती थी। तय होता था। वर्ष 1900 तक उत्तरी अमेरिकी देशों, देशों आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और उत्तरी-पश्चिमी यूरोप के कुछ देशों ने स्कूली शिक्षा के प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाई। उत्तरी यूरोपीय देशों के अधिकांश। देशों में नामांकन 60 से 75 फीसद तक था, जबकि अन्य क्षेत्रों में, विशेषकर एशिया (जापान को छोड़ कर), मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में स्कूली शिक्षा का प्रसार काफी न्यून था। प्राथमिक शिक्षा के प्रसार में जापान की उन्नीसवीं सदी में सबसे उल्लेखनीय स्थिति रही। जापान की तुलना थाईलैंड में प्राथमिक शिक्षा का प्रसार ज्यादा सफल रहा। समझा जा सकता है कि इसकी प्रेरणा भारतीय गुरुकुल पद्धति से ही से ही मिली।₹

पूरे विश्व ने भारतीय गुरुकुलों की शिक्षा के महत्त्व को समझा। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि प्राथमिक शिक्षा, ₹जिसकी सदियों पहले भारत ने गुरुकुल परंपरा से शुरुआत की, वह विश्व का अग्रदूत बना। उसने शिक्षा, विशेषकर प्राथमिक शिक्षा, पर सबको संदेश दिया। मगर विद्वेष, आपसी फूट फूट और र गुलामी के चलते इसे समाप्त करने की साजिश हुई। इसमें मैकाले की चाल सफल रही। फिर भी विश्व, बाल शिक्षा के महत्त्व का भारतीय संदेश समझ चुका था। हो भी क्यों न, राष्ट्रों के निर्माण और शक्ति के लिए जन शिक्षा के महत्त्व का अलख भारत ने ही

जगाया था। गुलामी से । से मुक्ति के बाद भारत में भी शिक्षा, विशेषकर र प्राथमिक शिक्षा, को लेकर बदलाव होते रहे। यह कैसी विडंबना है कि 1823 में सौ फीस साक्षरता वाला देश 1947 में महज 12 फीसद साक्षरता पर आ गया। इसी चुनौती से निपटने के लिए आज कई प्रयास हो रहे हैं। हो स्वतंत्रता के सतहत्तर वर्षों के बाद भी शिक्षा को लेकर अव्यवस्था, लिंग, भाषाई तथा भौगोलिक अंतर की खाई को नहीं पाटा जा सका। यह प्राथमिक शिक्षा में साफ झलकती है। 2023 की वार्षिक शिक्षा स्थिति रपट के अनुसार, आठवीं कक्षा के तीन में से एक छात्र दूसरी कक्षा के छात्र के स्तर पर नहीं पढ़ सकता है तथा आधे से अधिक बुनियादी विभाजन नहीं कर सकते हैं। 14 से 18 वर्ष की आयु के एक चौथाई अपनी क्षेत्रीय । भाषाओं में दूसरी कक्षा का पाठ धाराप्रवाह नहीं पढ़ सकते हैं। आज सरकार नियंत्रित प्राथमिक विद्यालयों पर और ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। नए दौर में शिक्षकों को ज्यादा सुविधाएं देकर यदि हम अपनी नींव को मजबूत करने की दिशा में बढ़ेंगे, तो पूरे देश में नया वातावरण बनेगा। शिक्षकों को भी पूर्ण समर्पण से जुटना होगा। शिक्षा में अमीर-गरीब, जात-पात और ऊंच-नीच का भेदभाव समाप्त कर हम देश को दोबारा गुरुकुल परंपरा की ओर ले जा सकते हैं।

संपादकीय

पाठ्यक्रम-परीक्षा के अलावा भी

शिक्षा के जिस नजरिए की जरूरत है, उसे गुणवत्ता की शर्तों पर पारंगत करना होगा और यही संदेश लेकर सुक्खू सरकार कोशिश कर रही है। शिक्षा के पैमाने राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में हिमाचल को 21वें स्थान तक लुढक़ा देते हैं, तो यह पद्धति और प्रयत्न का निकम्मापन है, जो स्कूल की शाखाओं में सारी कोशिश को पस्त कर रहा है। खैर मर्ज का पता तो सालों से है, लेकिन ठीक करने में भी शंका है। यह शंका सियासी है क्योंकि अनावश्यक स्कूल खोलने की आदत ने सरकारों को तमाशबीन ही बना दिया। खुल जा सिम सिम की तर्ज पर स्कूल-कालेज बिना किसी दूरदृष्टि के खुलते गए और जहां विषय और पाठ्यक्रम मजबूरी बन गए। घर द्वार पर साक्षरता उपलब्ध कराई जा सकती है, शिक्षा को उचित वातावरण मुहैया नहीं करवाया जा सकता। यह सरकारी बनाम प्राइवेट स्कूल के बीच का अंतर भी नहीं है, क्योंकि वहां भी भविष्य के नाम पर वर्दी की चमक या गले में टाई ही लटक रही है। यह दीगर है कि प्रदेश में सीबीएसई व आईसीएसई पाठ्यक्रमों के स्कूल, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत स्कूलों से भिन्न परीक्षा परिणाम, अभिभावकों का स्वाभिमान और छात्रों के भविष्य में बदलाव ला रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि विज्ञान, मेडिकल व इंजीनियरिंग की शिक्षा में हिमाचल का कुनबा निजी स्कूलों की दौलत बन रहा है, जबकि बाकी विषयों की फेहरिस्त में कई सरकारी स्कूल भी अपनी श्रेष्ठता का रुतबा कायम रख रहे हैं। गुणवत्ता न तो इमारतों से आएगी और न ही घोषणाओं से परिपूर्ण होगी, बल्कि यह अभिभावकों के विश्वास, छात्रों के अभ्यास और नए संकल्प के आगाज से ही संभव होगा, वरना विभागीय कसौटियां तो वार्षिक छुट्टियों के कैलेंडर में फंसी हैं या सारा साल शिक्षकों के तबादले में गुजर जाता है।

एक अच्छे अध्यापक के साथ छात्र भी कुछ बरस गुजराना चाहता है। मसलन प्राथमिक शिक्षा के पांच साल, माध्यमिक शिक्षा के तीन साल या सीनियर सेकेंडरी के चार साल हों, वहां बच्चा एक पाठ्यक्रम के आदर्श अध्यापक में खोजता है। शिक्षा अब पाठ्यक्रम के समुद्र से हीरे खोजने की प्रतिस्पर्धा है, तो इसके लिए स्कूल-कालेज के एहसास में अध्यापक वर्ग का स्थायित्व जरूरी है। सोचना यह होगा कि अध्यापकों की ट्रांसफर पॉलिसी शिक्षा को उत्तीर्ण कर रही है या यह वर्ग अपनी असुरक्षा की भावना में इस रोग से ग्रसित होकर जुगाड़ का पाठ्यक्रम भी बना रहा है। जब तक अध्यापक को मतदाता मान कर उसके समर्थन या विरोध की सियासी भाषा तैयार होती रहेगी, उसका किरदार शिक्षा के काम नहीं आएगा। बेशक सरकारों ने प्रयास किए, योजनाओं ने श्रृंगार किए और पाठ्यक्रमों ने शिक्षा को आधार दिए, लेकिन ये कसौटियां कई स्तरों पर हारीं। पहला मुकदमा अभिभावकों की अदालत में हारा क्योंकि शिक्षा से निकलते करियर का विस्तार सरकारें नहीं कर पाईं। हम समझ नहीं पाए कि मेडिकल-इंजीनियरिंग से इतर करियर का कहीं स्कोप अन्य विषयों में भी है। प्रदेश में स्कूल-कालेज की शिक्षा जीने का हुनर, प्रतिस्पर्धा का जज्बा और आत्म चिंतन की लौ नहीं जगा पा रही। हमारे स्कूल खेल विषय को भूल गए, क्राॅफ्ट भूल गए, संगीत की विद्या और सामाजिक दायित्व की कक्षा भूल गए। पाठ्यक्रम से परीक्षा तक के सफर का विश्लेषण शिक्षा में गुणवत्ता का आकलन नहीं कर सकता, बल्कि छात्रों में उत्साह, प्रेरणा, अध्ययन की व्यापकता और सूचना क्रांति का सदुपयोग आज की जरूरतें हैं, ताकि भविष्य की प्रतिस्पर्धा में नए आइडिया व नवाचार की जड़ें मजबूत हों।

सोच बदलने से मिलेगी सफलता

विजय गर्ग

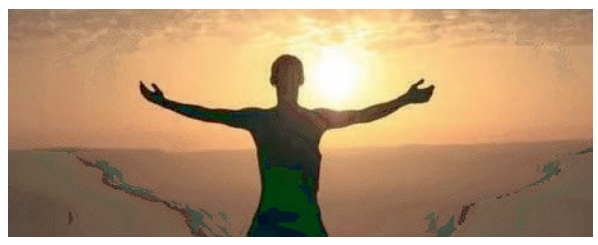

हमारी सोच वो नींव है, जिसके आधार पर जीवन में हम सफल या असफल होते हैं। आपकी सोच ही आपके यथार्थ को आकार देती है, निर्णयों को प्रभावित करती है और आपके कर्म निर्धारित करती है, जो परिणाम के रूप में आपके सामने आते हैं। ज्यादातर लोग इसलिए असफल नहीं होते हैं क्योंकि उनके भीतर योग्यता, ज्ञान या अवसरों की कमी होती है। वे इसलिए असफल होते हैं, क्योंकि उन्हें अपनी सोच की ताकत के बारे में पता ही नहीं होता है।

आइए जानते हैं कि सही सोच कैसे आपकी सफलता में बाधा बननेवाले कारणों को दूर कर सकती है-

स्वयं पर संदेह है बाधक

'आपका दिमाग बहुत शक्तिशाली है। इसलिए जब आप सकारात्मक तरीके से सोचने लगते हैं, तो जीवन में परिवर्तन आने लगता है।' अज्ञात

अधिकांश लोग यह समझ ही नहीं पाते कि अपने जीवन की सबसे बड़ी बाधा वह स्वयं हैं। खुद पर संदेह करना आपके दिमाग में गूंजती वो आवाज है, जो आपको यकीन दिलाती है कि आप अच्छे नहीं हैं, आपके अंदर योग्यता की कमी है और आप सफलता के योग्य पात्र नहीं हैं। असल में हारने का डर, अस्वीकृत कर दिए जाने का भय या कोई भी अनजाना डर संकीर्ण और दबी हुई मानसिकता का ही परिणाम है, जो सफलता में बाधक बनता है।

लेकिन इससे बचा जा सकता है। एक कागज पर अपने उन विचारों को लिखिए, जो आपकी उन्नति में बाधक हैं। फिर उन्हें चुनौती दीजिए। गौर कीजिए कि आप उन विचारों को कैसे बदल सकते हैं?

प्रगतिशील सोच का महत्व

उन्नत सोच आपको चुनौतियों से लड़ने का हौसला और हार को सीखने के नए अवसर के रूप में देखने में मदद करती है। खुली सोच रखनेवाले लोग जानते हैं कि वह अपनी मेहनत के बल पर तरक्की के नए रास्ते बना ही लेंगे। निम्न सूत्रों की मदद से अपनी सोच को उन्नत बनाया जा सकता है।

चुनौतियों से बचने की बजाय उन्हें स्वीकारिए।

■ असफल होने पर हार मान लेने की बजाय दोबारा प्रयास करें।

■ अपने प्रयासों को अपनी कमजोरी समझने की बजाय दक्षता हासिल करने का मार्ग समझें।

■ आलोचना की अनदेखी करने की बजाय उससे सबक लें।

प्रगतिशील सोच के साथ बाधाएं और असफलता भी सफलता का मंत्र बन जाते हैं। क्योंकि तब आप उन्हें बाधा समझने की बजाय सीखने के नए अवसरों के रूप में स्वीकारने लगते हैं।

सोच बदलना है जरूरी

जकड़ी हुई सोच को प्रगतिशील विचारधारा में बदलना जरूरी तो है, लेकिन यह सरल नहीं है। निम्न बातें ऐसा करने में सहायक हो सकती हैं।

छोटी शुरुआत सबसे पहले किसी एक संकीर्ण विचार को बदल कर उन्नत विचार बनाने के प्रयास करें। हार से सबकः अपनी असफलता को अंतिम परिणाम समझने की बजाय उसे सीखने के एक नए अवसर के रूप में देखें। कृतज्ञता का भाव अपने जीवन की उन बातों पर ध्यान दें, जिनके लिए आप कृतज्ञ महसूस करते हैं। इससे आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ेगी। अच्छी सोचवालों का साथ जिन लोगों के साथ आप समय बिताते हैं, वह आपकी सोच पर भी बहुत प्रभाव डालते हैं। इसलिए खुली सोचवाले लोगों के सानिध्य में रहें, जो आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकें। सफलता भी मिलेगी जीवन में सफलता और आपके बीच सिर्फ आपकी सोच ही खड़ी होती है। इसलिए, अपनी सोच को बेहतर बनाकर आप हर बाधा को पार कर सकते हैं और अपनी मर्जी से अपने भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। याद रखिए, आपकी पहचान आपके अतीत की गलतियों या वर्तमान की सीमाएं नहीं हैं बल्कि उनसे आप क्या सीखते हैं, इस बात से आपकी पहचान बनती है।

प्रयासों से मिलेगी मंजिल

सोच में बदलाव रातोरात तो संभव नहीं है लेकिन छोटे- छोटे कदमों से मंजिल तक जरूर पहुंचा जा सकता है। अपने विकास में बाधक विचारों को बदलने का प्रयास कीजिए, ताकि संभावनाओं के मार्ग पर चला जा सके। इसलिए स्वयं से निम्न प्रश्न पूछें- कौन से विचार मेरे आगे बढ़ने में बाधक बन रहे हैं?

■ अपनी असफलता को मैं सीखने के नए अवसर के

रूप में कैसे बदल सकता हूं?

मेरी कौन-सी आदतें विकसित सोच बनाने में मदद कर सकती हैं?

इन सवालों के उत्तर जान लेने के बाद आपके लिए अपनी योग्यता को समझना आसान लगने लगेगा।

संचार कौशल में महारत हासिल करने से बेहतर रिश्तों के द्वार खुलते हैं

विजय गर्ग

प्रभावी संचार एक आवश्यक कौशल है जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चाहे आप प्रेजेंटेशन दे रहे हों, किसी मीटिंग में भाग ले रहे हों, या दोस्तों के साथ बातचीत कर रहे हों, मजबूत संचार कौशल समझ बढ़ा सकते हैं और बेहतर रिश्तों को बढ़ावा दे सकते हैं।

आपके संचार कौशल को बेहतर बनाने में मदद के लिए यहां कुछ व्यावहारिक रणनीतियाँ दी गई हैं:

स्फूर्ति से ध्यान देना

संचार का सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक सुनना है। प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए, आपको यह समझने की ज़रूरत है कि दूसरे क्या कह रहे हैं।

वक्ता पर अपना पूरा ध्यान देकर, ध्यान भटकाने से बचते हुए और शारीरिक भाषा के माध्यम से रुचि दिखाकर सक्रिय रूप से सुनने का अभ्यास करें।

स्पष्ट और संक्षिप्त रहें

अपने विचार व्यक्त करते समय स्पष्टता और संक्षिप्तता का लक्ष्य रखें। ऐसी शब्दावली या अत्यधिक जटिल भाषा का प्रयोग करने से बचें जो आपके दर्शकों को भ्रमित कर सकती है।

अपने विचारों को तार्किक रूप से व्यवस्थित करें, और उन मुख्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें जिन्हें आप बताना चाहते हैं।

संक्षिप्त होने से आपके दर्शकों का ध्यान बनाए रखने में मदद मिलती है और यह सुनिश्चित होता है कि आपका संदेश समझ में आ गया है।

अशाब्दिक संचार का अभ्यास करें

आपकी शारीरिक भाषा, चेहरे के भाव और हावभाव संचार के महत्वपूर्ण घटक हैं।

अपने अशाब्दिक संकेतों पर ध्यान दें,

क्योंकि वे या तो आपके बोले गए शब्दों को पुष्ट कर सकते हैं या उनका खंडन कर सकते हैं।

आत्मविश्वास और स्वीकार्यता व्यक्त करने के लिए खुली शारीरिक भाषा, जैसे बिना क्रॉस वाली भुजाएं और आरामदायक मुद्रा बनाए रखने का अभ्यास करें।

सहानुभूति विकसित करें

सहानुभूति दूसरों की भावनाओं को समझने और साझा करने की क्षमता है। सहानुभूति विकसित करने से आपके संचार कौशल में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

दूसरों के साथ बातचीत करते समय, चीजों को उनके दृष्टिकोण से देखने का प्रयास करें और समझ के साथ प्रतिक्रिया दें। यह गहरे संबंधों को बढ़ावा देगा और अधिक सार्थक बातचीत को प्रोत्साहित करेगा।

प्रतिक्रिया के लिए पूछें

अपने संचार कौशल को बढ़ाने के लिए, दोस्तों, परिवार या सहकर्मियों से रचनात्मक प्रतिक्रिया लें।

वे इस बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं कि आप स्वयं को कैसे अभिव्यक्त करते हैं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करते हैं। आलोचना के प्रति खुले रहें और इसे विकास के एक उपकरण के रूप में उपयोग करें।

सार्वजनिक भाषण में व्यस्त रहें

सार्वजनिक रूप से बोलने से आपके आत्मविश्वास और संचार क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

समूहों के सामने बोलने का अभ्यास करने के अवसरों की तलाश करें, चाहे वह औपचारिक प्रस्तुतियों, सामुदायिक कार्यक्रमों या यहां तक कि अनौपचारिक समारोहों के माध्यम से हो।

अपनी शब्दावली पढ़ें और उसका विस्तार करें

विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को पढ़ने से आप विभिन्न संचार शैलियों और शब्दावली से परिचित हो सकते हैं।

ऐसी किताबें, लेख और निबंध पढ़ने की आदत बनाएं जो आपके लिए चुनौती हों। एक व्यापक शब्दावली आपको अपने विचारों को अधिक सटीक और प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की अनुमति देती है, जिससे आपके समग्र संचार कौशल में वृद्धि होती है।

प्रौद्योगिकी का बुद्धिमानी से उपयोग करें

आज के डिजिटल युग में, संचार अक्सर ईमेल, टेक्स्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से होता है।

इन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते समय, अपने लहज़े और स्पष्टता का ध्यान रखें। गलतफहमी से बचने के लिए अपने संदेशों को प्रूफरीड करने के लिए समय निकालें।

व्यक्तिगत स्पर्श जोड़ने के लिए वीडियो कॉल को अपनाएं, क्योंकि वे अशाब्दिक संचार की अनुमति देते हैं जिसकी टेक्स्ट में कमी है।

नियमित रूप से अभ्यास करें

किसी भी अन्य कौशल की तरह, अभ्यास से संचार में सुधार होता है। बातचीत में शामिल हों, चर्चाओं में भाग लें और लगातार अपने विचार व्यक्त करने के अवसर तलाशें।

आप जितना अधिक संवाद करेंगे, आप उतने ही अधिक सहज और प्रभावी बनेंगे।

खुले दिमाग वाले रहें

प्रभावी संचार के लिए नए विचारों और दृष्टिकोणों के प्रति खुलेपन की आवश्यकता होती है। दूसरों के साथ जुड़ने के लिए तैयार रहें, भले ही उनका दृष्टिकोण आपसे भिन्न हो।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

विजय गर्ग

भारत में मानसिक स्वास्थ्य के लिए अदृश्य लड़ाई

मानसिक स्वास्थ्य हमारी स्वास्थ्य देखभाल कथा में एक बाद का विचार बना हुआ है।

सच्ची चिकित्सा में शरीर और मन दोनों शामिल हैं एक मनोवैज्ञानिक के रूप में, मैंने देखा है कि भारत में स्वास्थ्य केवल शरीर की लड़ाई नहीं है, यह मन का संघर्ष है। हर बीमारी के पीछे एक व्यक्ति होता है जो डर, हताशा और कभी-कभी अकेलेपन से जूझता है। चाहे ग्रामीण इलाकों में, जहां तपेदिक जैसी बीमारियां बनी रहती हैं या शहरी केंद्रों में जहां जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं, भावनात्मक असर अक्सर अदृश्य होता है लेकिन गहराई से महसूस किया जाता है। ग्रामीण भारत में, मरीजों को चिकित्सीय निदान से परे चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मुझे याद है कि एक छोटे से गांव का एक आदमी तपेदिक से जूझ रहा था, लेकिन जिस चीज ने उस पर सबसे ज्यादा असर डाला वह सिर्फ उसकी बीमारी नहीं थी - वह अलगाव था। वह खुद को भूला हुआ और दुनिया से कटा हुआ महसूस कर रहा था क्योंकि स्वास्थ्य सुविधाएं बहुत दूर थीं और उसके परिवार को नहीं पता था कि उसे कैसे सहारा दिया जाए। यह भावनात्मक अलगाव कई ग्रामीण रोगियों का अनुभव है, और यह उनके शारीरिक लक्षणों जितना ही हानिकारक हो सकता है, जिससे उनमें निराशा की भावना बढ़ जाती है। गुड़गांव जैसे शहरों में संघर्ष अलग-अलग हैं लेकिन उतने ही गहरे भी। मैं चिंता से घिरी एक युवा महिला अंजलि के बारे में सोचता हूं।

बाहरी दुनिया को, ऐसा लग रहा था कि उसके पास सब कुछ है - एक शानदार नौकरी, व्यस्त सामाजिक जीवन और एक उज्ज्वल भविष्य। लेकिन अंदर ही अंदर वह हिलोरें ले रही थी। मदद मांगने से पहले वह महीनों तक झिझकती रही, उसे डर था कि अपने संघर्षों को स्वीकार करने से वह कमजोर दिखाई देगी। फैसले का यह डर कई लोगों को मदद मांगने से रोकता है, और यह देखकर दिल दहल जाता है कि शहरी परिवेश में यह कितना आम है। हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य एक बाद का विचार बना हुआ है।

हम शारीरिक लक्षणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं - हृदय रोग, मधुमेह और अन्य स्थितियों का इलाज - लेकिन लोगों के भावनात्मक भार को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मैंने लोगों को वर्षों तक चुपचाप पीड़ा सहते देखा है, उन्हें लगता है कि उनका भावनात्मक दर्द उचित नहीं है क्योंकि इसे शारीरिक बीमारी की तरह नहीं मापा जा सकता है। परिवर्तन की तत्काल आवश्यकता है. भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली इस विभाजन को प्रतिबिंबित करती है। शहरों में,

निजी देखभाल विकल्प प्रदान करती है, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ अभी भी सीमित और महंगी हैं।

ग्रामीण इलाकों में मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा भी कम ही होती है। सामाजिक-आर्थिक बाधाएँ, विशेषकर महिलाओं के लिए, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच को और भी कठिन बना देती हैं। महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य - भावनात्मक और शारीरिक दोनों - को ताक पर रख देती हैं और अपने परिवार की ज़रूरतों को अपने ऊपर प्राथमिकता देती हैं। मेरी एक मरीज़, जो दो बच्चों की माँ थी, ने अपनी चिंता के लिए वर्षों तक मदद माँगने में देरी की। वह थक गई थी, अभिभूत थी और अपनी सुध-बुध खो रही थी। लेकिन कई महिलाओं की तरह, वह भी यह सोचने के लिए दोषी महसूस करती थी कि उसके स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

यह एक आम कहानी है - भारत में बहुत सी महिलाएं चुपचाप मानसिक स्वास्थ्य संघर्षों को सहन करती हैं, अपनी जरूरतों को महत्वहीन मानकर खारिज कर देती हैं, और इस प्रक्रिया में खुद को अलग कर लेती हैं।

हमें इस आख्यान को बदलने की जरूरत है। मानसिक स्वास्थ्य कोई विलासिता या कमजोरी का प्रतीक नहीं है। यह समग्र कल्याण का एक अभिन्न अंग है। हमें अपनी बातचीत और अपनी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण बनाना चाहिए। केवल तभी हम भारत में स्वास्थ्य चुनौतियों के पूर्ण दायरे का समाधान कर सकते हैं - क्योंकि वास्तविक उपचार केवल शरीर के बारे में नहीं है; यह मन के बारे में भी है।

अब गांवों में "ईज ऑफ लिविंग" के लिए मिशन मोड पर मोदी सरकार, देशभर में आयोजित होंगे चार कार्यशाला

परिवहन विशेष न्यूज

मोदी सरकार Ease of Living के लिए मिशन मोड पर है। इसके लिए सरकार हैदराबाद में ईज आफ लिविंग एनहेंसिंग सर्विस डिलीवरी एट द ग्रासरूट्स पंचायत सम्मेलन शीर्षक से 22 अक्टूबर को कार्यशाला आयोजित करेगी। इसके अलावा इस मिशन के तहत देशभर में चार कार्यशाला आयोजित होंगे। यह कार्यशाला चायतीराज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज की अध्यक्षता में होगी। पढ़ें पूरी खबर...

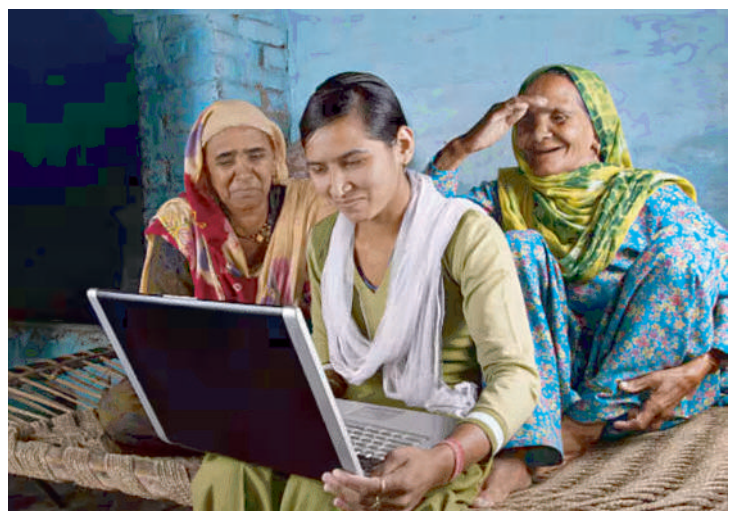

नई दिल्ली। शहरों में 'Ease of Living' (जीवन की सुगमता) के लिए तो लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार अब ग्रामीण भारत में जीवन की सुगमता बढ़ाने के लिए मिशन मोड पर काम करेगी। पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से नागरिक केंद्रित सेवाओं को तेज गति से धरातल पर उतारने के लिए पंचायतीराज मंत्रालय पूरे रोडमैप के साथ काम शुरू करने जा रहा है।

इससे संबंधित अनुभव, अवसर और चुनौतियों पर विस्तृत मंथन के लिए देशभर में चार कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। पहली कड़ी में हैदराबाद में 'ईज आफ लिविंगः एनहेंसिंग सर्विस डिलीवरी एट द ग्रासरूट्स' पंचायत सम्मेलन शीर्षक से 22 अक्टूबर को कार्यशाला होने जा रही है, जिसमें सात राज्य शामिल होंगे।

पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा हैदराबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट आफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायतीराज में आयोजित की जा रही इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, मिजोरम, ओडिशा और तेलंगाना के पंचायतीराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी भाग लेंगे।

यहां कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित 29 सेक्टर की जनता से जुड़ी सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जानी है। पंचायतीराज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज की अध्यक्षता में होने जा रही कार्यशाला में आमंत्रित प्रतिनिधि जनता केंद्रित सेवाओं से जुड़े अपने अनुभव, अवसर और चुनौतियों के बारे में बताएंगे।

इस सम्मेलन का उद्देश्य जन सेवाओं को धरातल पर उतारते हुए गांवों में ईज आफ लिविंग को साकार करने के लिए राज्यों की रणनीति, अच्छे कार्यों और सुझावों को साझा करते हुए समग्रता में रोडमैप तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुसार गांवों में नागरिक केंद्रित योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लक्ष्य को हासिल करने की ओर बढ़ना है।

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायतीराज भी अपना विस्तृत प्रस्तुतीकरण करेगा। राज्यों से आ रहे प्रतिनिधियों को बताया जाएगा कि सेवा की पहुंच में तकनीक की मदद लें। उदाहरण के तौर पर भाषायी बाधा दूर करने के लिए भाषिणी, संवाद के लिए यूनिसेफ के रैपिडप्रो प्लेटफार्म और आनलाइन डिलीवरी सिस्टम के लिए सर्विस प्लस का इस्तेमाल किया जाना है।

इससे पूर्व ग्रामीण जनता तक आवश्वक नागरिक सेवाओं और सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ही 21 अक्टूबर को एक वेबिनार भी आयोजित किया जा रहा है जिसमें सभी राज्यों के मुख्य सचिव, आइटी सचिव, पंचायतीराज विभाग के अधिकारी, आकांक्षी जिलों के जिला कलक्टर भाग लेंगे। विशेषज्ञ के तौर पर आईआईटी और एनआईटी के डायरेक्टर गांवों में नागरिक केंद्रित सेवाओं की पहुंच अंतिम छोर तक पहुंचाने और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने जैसे विषयों पर बात करेंगे।

एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने जारी किया तिमाही नतीजा, दोनों बैंकों के नेट प्रॉफिट में 5 फीसदी का उछाल

आज एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिये। दोनों बैंकों ने अपने फाइनेंशियल परफॉर्मेंस की जानकारी दी। स्टॉक फाइलिंग के अनुसार इस तिमाही एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक का नेट प्रॉफिट 5 फीसदी बढ़ा है। बैंक द्वारा जारी तिमाही नतीजे का असर कंपनी के शेयर पर भी पड़ेगा। आइए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

दिल्ली। कई आईटी और बैंकों ने चालू कारोबारी साल के दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिये हैं। आज देश के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने जुलाई से सितंबर तिमाही के नतीजे (जारी कर दिये हैं। बैंक द्वारा जारी तिमाही नतीजे का असर बैंक के शेयर पर भी देखने को मिलेगा।

एचडीएफसी बैंक तिमाही नतीजा

जुलाई से सितंबर तिमाही में एचडीएफसी बैंक के स्टैंडलोन प्रॉफिट 5 फीसदी बढ़कर 16,821 करोड़ रुपये हुआ। वहीं, एक साल पहले कि इसी तिमाही में बैंक को 15,976 करोड़ रुपये का कुल मुनाफा हुआ था। अगर बैंक की इनकम की बात करें तो यह इस तिमाही 85,500 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले की समान तिमाही में 78,406 करोड़ रुपये था।

स्टॉक फाइलिंग के अनुसार चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक को 74,017 करोड़ रुपये का इंटरेस्ट इनकम हुआ जो एक साल पहले की दूसरी तिमाही में 67,698 करोड़ रुपये था। बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) में भी इस तिमाही सुधार हुआ है। सितंबर तिमाही बैंक का NII 30,110 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 27,390 करोड़ रुपये था। इसका मतलब है कि बैंक का NII ग्रोथ 10 फीसदी हुआ है।

बैंक ने अपने नॉन परफॉर्मिंग एसेट की जानकारी दी। सितंबर तिमाही में बैंक का एनपीए 1.36 फीसदी बढ़ा जो कि एक साल पहले की समान तिमाही में 1.34 फीसदी था। यह एनपीए गुड लोन का है। वहीं, बैड लोन का एनपीए 0.41 फीसदी हो गया है। समेकित रूप से बैंक का लॉग्ड ग्रोथ 6 फीसदी बढ़कर 17,826 करोड़ रुपये हुआ।

एचडीएफसी बैंक के शेयर

18 अक्टूबर 2024 को एचडीएफसी बैंक के शेयर हरे निशान पर बंद हुए। बैंक के शेयर 11.65 रुपये या 0.70 फीसदी चढ़कर 1,684.80 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। बैंक के स्टॉक परफॉर्मेंस की बात करें तो पिछले एक साल में स्टॉक ने 11.21 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, अप्रैल से अभी तक बैंक के शेयर 10.02 फीसदी चढ़ा है।

शहरों क्षेत्रों में सेवानिवृत्ति योजना को लेकर जागरुकता बढ़ी, रिपोर्ट में सामने आई बात

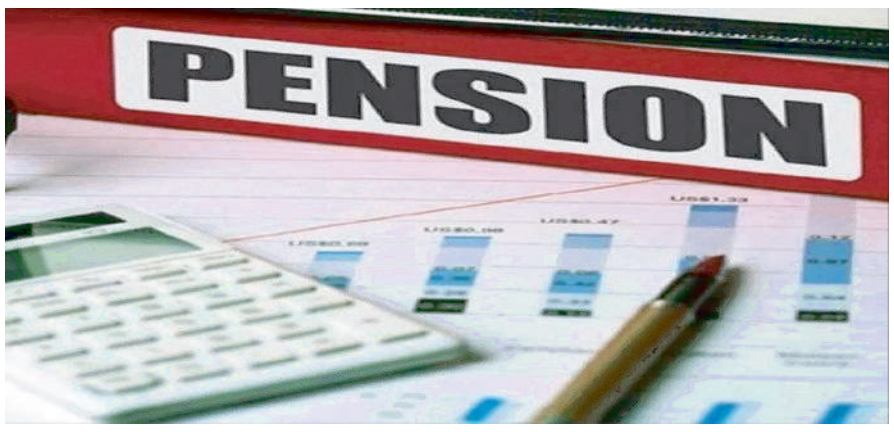

हर कोई चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद भी उसके पास इनकम सोर्स जारी रहे। ऐसे में वह जॉब के साथ-साथ रिटायरमेंट स्कीम में भी निवेश करता है। हाल ही में मैक्स लाइफ इंश्योरेंस की ओर सेइंडिया रिटायरमेंट इंडेक्स स्टडी (आईआरआईएस) रिपोर्ट जारी हुई। इस रिपोर्ट में रिटायरेमेंट स्कीम को लेकर कई खास बातें पता चली है। आइए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। शहरी भारत में सेवानिवृत्ति योजना को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग सेवानिवृत्ति के बाद जीवन जीने के लिए पहले से योजना बनाने की जरूरत महसूस कर रहे हैं। मैक्स लाइफ इंश्योरेंस की ओर से हाल में जारी इंडिया रिटायरमेंट इंडेक्स स्टडी (आईआरआईएस) रिपोर्ट में यह बात कही गई है। यह रिपोर्ट 28 शहरों के 25-65 वर्ष की आयु के 2,077 लोगों से मिले उत्तर के आधार पर तैयार की गई है। उत्तर देने वालों में 29 प्रतिशत पुरुष और 71 प्रतिशत महिलाएं शामिल रही हैं।

इस रिपोर्ट की कुछ खास बातें

नंबर गेम 44 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि 35 वर्ष की आयु से पहले सेवानिवृत्ति योजना शुरू कर देनी चाहिए। वहीं 63 प्रतिशत लोगों ने सेवानिवृत्ति योजना के लिए पहले से ही निवेश शुरू करने की बात कही। इसके अलावा 68 प्रतिशत शहरी कामकाजी महिलाओं ने भी सेवानिवृत्ति के बाद के लिए निवेश शुरू किया।

समग्र तैयारी में पूर्वी क्षेत्र शीर्ष पर आईआरआईएस में पूरे देश में सेवानिवृत्ति योजना में क्षेत्रीय अवसरों की भी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सेवानिवृत्ति योजना को लेकर समग्र तैयारी में पूर्वी क्षेत्र शीर्ष पर है। पश्चिमी क्षेत्र वित्तीय और स्वास्थ्य में प्रगति दिखा रहा है, लेकिन भावनात्मक ध्यान देने की आवश्यकता है। उत्तर और दक्षिण क्षेत्र स्वास्थ्य तैयारी सूचकांक में सुधार कर रहे हैं।

वित्तीय और स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधारमैक्स लाइफ के एमडी और सीईओ प्रशांत त्रिपाठी का कहना है कि शहरी भारत के रिटायरमेंट इंडेक्स में वित्तीय और स्वास्थ्य सूचकांकों में सकारात्मक वृद्धि के साथ सुधार हुआ है। लेकिन 3 में से 1 भारतीय अभी भी कम तैयार महसूस करता है।

इसके आगे उन्होंने कहा कि इस साल हमने भारत की गिग इकोनमी के तेजी से विकास के कारण गिग वर्कर्स पर भी ध्यान दिया। स्टडी में पाया कि वे रिटायरमेंट की कम तैयारी के साथ पिछड़ गए हैं। इनको केंद्रित हस्तक्षेपों के जरिये राष्ट्रीय औसत के बराबर लाया जा सकता है।

पांच लाख तक के हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी से मिलेगी छूट! अंतिम फैसला करेगी काउंसिल

टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों और वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम को जीएसटी से छूट मिलने की संभावना है। राज्य मंत्रिस्तरीय पैनल के अधिकांश सदस्यों ने आम आदमी को लाभ पहुंचाने के लिए करों में कटौती का समर्थन किया है। हालांकि 5 लाख रुपये से अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवर पर 18 फीसदी जीएसटी लगता रहेगा। दरों में कटौती या कर खत्म करने पर अंतिम फैसला काउंसिल करेगी।

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में टर्म या हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम जमा करने में राहत मिलने जा रही है। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी दर तय करने के लिए बने मंत्री समूह (जीओएम) की शनिवार को हुई बैठक में पांच लाख रुपये तक के कवरेज वाले हेल्थ इंश्योरेंस और टर्म इंश्योरेंस के प्रीमियम पर लगने वाले कर को पूरी तरह से खत्म करने पर सहमति बन गई।

अंतिम फैसला जीएसटी काउंसिल करेगी

पांच लाख से ज्यादा कवरेज वाले हेल्थ इंश्योरेंस पर पहले की तरह 18 प्रतिशत जीएसटी लगता रहेगा। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों की ओर से दिए जाने वाले हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम को भी कर मुक्त किया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में अंतिम फैसला जीएसटी काउंसिल द्वारा लिया जाएगा। इस समय टर्म इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता है।

वरिष्ठ नागरिकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

एक अधिकारी ने बताया कि जीओएम के सदस्य बीमा प्रीमियम पर दरों में कटौती के लिए व्यापक रूप से सहमत हैं। बैठक के बाद जीओएम के संयोजक और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मंत्रिसमूह का हर सदस्य लोगों को राहत देना चाहता है। वरिष्ठ नागरिकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हम काउंसिल को इस महीने के अंत तक एक रिपोर्ट सौंपेंगे। अंतिम निर्णय जीएसटी काउंसिल करेगी।

जीएसटी काउंसिल ने पिछले महीने ही लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित किया था। इस मंत्री समूह में सम्राट चौधरी के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, मेघालय, पंजाब, तमिलनाडु और तेलंगाना के मंत्री शामिल हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों को हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाले कर से 8,262.94 करोड़ रुपये मिले थे। जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक नवंबर में होनी है।

सस्ती होंगी साइकिल और पानी की बोतल

जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने को लेकर गठित मंत्री समूह (जीओएम) की बैठक भी शनिवार को हुई। इसमें 10 हजार रुपये से कम मूल्य वाली साइकिल, 20 लीटर की पानी की बोतल और अभ्यास नोटबुक पर कर की दर को घटाकर पांच प्रतिशत करने का सहमति बनी। अभी इस मूल्य से कम वाली साइकिल व अभ्यास नोटबुक पर 12 प्रतिशत और पानी की बोतल पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। हालांकि, इस संबंध में अंतिम फैसला जीएसटी काउंसिल को करना है।

एक अधिकारी ने बताया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले जीओएम ने महंगी कलाई घड़ियों और जूतों पर कर बढ़ाने का सुझाव दिया। जीओएम ने 15,000 रुपये से अधिक मूल्य वाले जूतों और 25,000 रुपये से अधिक कीमत वाली कलाई घड़ियों पर जीएसटी 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने का सुझाव दिया है। जीओएम के इस फैसले से 22,000 करोड़ रुपये का राजस्व लाभ होगा। छह सदस्यीय जीओएम में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के स्वास्थ्य सेवा मंत्री गजेंद्र ¨सह, कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायर गौड़ा और केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल भी शामिल हैं।

AI ने बदला बिजनेस ईकोसिस्टम, नियुक्ति प्रक्रिया पर सबसे अधिक असर

मानव संसाधन के क्षेत्र में काम करने वाली वैश्विक संस्था सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार कई कंपनियां नए कर्मचारियों की नियुक्ति में अब एआई की मदद ले रही हैं। सर्वे में भागदारी करने वाली कंपनियों में से 65 प्रतिशत ने बताया कि रोजगार को लेकर प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक है कि एक नौकरी के लिए ही हजारों आवेदन मिलते हैं।

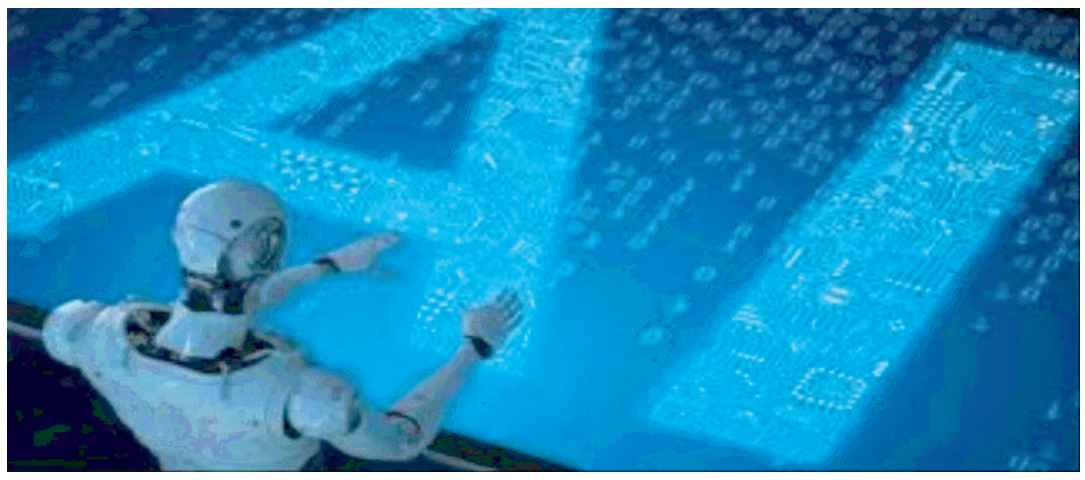

नई दिल्ली। आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस रोजगार के अवसर बढ़ाएगा या नौकरियां खाएगा? लंबे समय से चल रहे इस चिंतन-विमर्श के बीच कारोबार जगत बदलाव की काफी अंगड़ाई ले चुका है। प्रत्यक्ष तौर पर भले ही अभी इसका ज्यादा असर दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन कंपनियों ने अपने मानव संसाधन से जुड़े कामकाज में एआई का प्रयोग बढ़ा दिया है।

मानव संसाधन के क्षेत्र में काम करने वाली वैश्विक संस्था सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) की ताजा रिपोर्ट कहती है कि उसके सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत कंपनियों ने माना है कि वह नए कर्मचारियों की नियुक्ति में अब एआई की मदद ले रही हैं। गत दिवस नई दिल्ली में आयोजित एसएचआरएम के वार्षिक सम्मेलन में आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस (एआई) प्लस ह्यूमन इंटेलीजेंस (एचआई) रिपोर्ट जारी की गई।

इस अध्ययन में यही जानने का मुख्यतः प्रयास किया गया है कि कारोबार जगत पर एआई ने कितना प्रभाव डाला है या डाल रहा है। चूंकि इस संस्था से विश्व के हजारों बड़े कारोबारी समूह जुड़े हुए हैं, इसलिए उन कंपनियों से मिले फीडबैक के आधार पर ही संस्था ने यह रिपोर्ट तैयार की है। इसमें बताया गया है कि सर्वे में भागदारी करने वाली कंपनियों में से 65 प्रतिशत ने बताया कि रोजगार को लेकर प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक है कि एक नौकरी के लिए ही हजारों आवेदन मिलते हैं।

ऐसी स्थिति में एचआर प्रबंधक के सामने बेहतर व्यक्ति को नियुक्ति देने की चुनौती बढ़ जाती है। इसे देखते हुए ही नियुक्ति प्रक्रिया में अब एआई का प्रयोग किया जा रहा है। इससे क्षमता की पहचान में आसानी और गति मिल रही है। इसी तरह 37 प्रतिशत कंपनियों ने कर्मचारियों के प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में एआई की सहायता लेना शुरू कर दिया है।

परफार्मेंस मैनेजमेंट सिस्टम में एआई का प्रयोग करने वाली कंपनियों की संख्या 28 प्रतिशत हो गई है। कंपनियों का आकलन है कि इससे निगरानी, क्षमता परीक्षण और बेहतर काम करने वाले कर्मियों के प्रोत्साहन की व्यवस्था एचआर विभाग के लिए बेहतर हुई है। एआई के माध्यम से उन्हें डाटा सहित फीडबैक मिल रहा है और खामी वाले क्षेत्र चिन्हित कर उन्हें सुधारने में मदद मिल रही है।

इन बदलावों के पीछे के कारणों को लेकर भी कंपनियों ने फीडबैक दिया है। जैसे कि 87 प्रतिशत कंपनियों ने माना है कि कर्मचारियों की अपस्किलिंग और रीस्किलिंग अब बहुत आवश्यक है। 86 प्रतिशत कंपनियों ने कहा है कि कारोबार में एआई की वजह से प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है।

77 प्रतिशत ने महसूस किया है कि उत्पादकता बढ़ाने का उन पर दबाव है, जबकि 73 प्रतिशत को लगता है कि अब एआई के साथ रचनात्मकता बढ़ाने और बदलाव करने का समय है। हालांकि, 55 प्रतिशत कंपनियों ने नियामक व्यवस्थाओं के जटिल हो जाने और 54 प्रतिशत ने एआई के अधिक उपयोग के चलते साइबर हमलों के बढ़ने को लेकर भी आशंका जताई है।

बहरहाल, तमाम शंकाओं का समाधान करते हुए एसएचआरएम ने कार्यबल प्रबंधन में भी एआई का प्रयोग बढ़ाने और स्पष्ट एआई नीतियां बनाने का भी सुझाव कंपनियों को दिया है।

टेक महिंद्रा ने जारी किया दूसरी तिमाही के नतीजे, 2 गुना बढ़ा कंपनी का मुनाफा

टेक महिंद्रा ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिये हैं। कंपनी ने अपने वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी दी है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट दो गुना से ज्यादा बढ़ गया है। तिमाही नतीजे का असर कंपनी के शेयर पर भी पड़ सकता है। इस आर्टिकल में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। महिंद्रा की आईटी कंपनी टेक महिंद्रा ने जुलाई से सितंबर तिमाही के नतीजों का एलान कर दिया है। कंपनी ने इन नतीजों में अपने फाइनेंशियल परफॉर्मेंस की जानकारी दी है। तिमाही नतीजों का असर सोमवार पर शेयर में भी देखने को मिलेगा। आइए, जानते हैं कि इस चालू कारोबारी साल की दूसरी तिमाही में कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी रही।

कैसा है कंपनी की वित्तीय स्थिति

आईटी सर्विस देने वाली टेक महिंद्र ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी कि सितंबर तिमाही में उनका नेट प्रॉफिट दो गुना से ज्यादा बढ़कर 1,250 करोड़ रुपये हो गया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 493.9 करोड़ रुपये था। इस तिमाही कंपनी का रेवेन्यू भी 3.49 फीसदी बढ़कर 13,313.2 करोड़ रुपये हो गया। जबकि, पिछले साल की समान तिमाही में यह 12,863.9 करोड़ रुपये था। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी जानकारी के अनुसार कंपनी के अन्य इनकम में 4,502 मिलियन रुपये का लाभ शामिल है। यह लाभ एसेट की बिक्री से हुआ है। कंपनी ने फ्रीहोल्ड भूमि और उससे संबंधित इमारतों के साथ-साथ फर्नीचर और फिक्स्चर को बेचकर 5,350 मिलियन रुपये जुटाए हैं।

प्रोजेक्ट फोर्टियस का हो गया अनावरण

टेक महिंद्रा के सीईओ मोहित जोशी ने इस साल अप्रैल में प्रोजेक्ट फोर्टियस का अनावरण किया। इस प्रोजेक्ट के जरिये कंपनी आने वाले तीन साल में 15 प्रतिशत ऑपरेटिंग मार्जिन हासिल करने की प्लानिंग कर रहा है। प्रोजेक्ट फोर्टियस के तहत हम अपने कस्टमर के लिए मजबूत और साझेदार पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर हमें उम्मीद है कि तीसरी तिमाही तक कंपनी के मार्जिन में विस्तार होगा। आज के समय में भले ही आईटी सर्विस इंडस्ट्री में नरमी देखने को मिल रही है, लेकिन हम फिर भी अपने रणनीतिक सुधार प्रयासों पर प्रगति जारी रखें हुए हैं।

संस्कारशाला - श्री हनुमान जी: एक सच्चे स्वयंसेवक और आदर्श के रूप में जीवन के अमूल्य पाठ

श्री हनुमान जी को हिंदू धर्म में एक आदर्श देवता के रूप में देखा जाता है, जो शक्ति, भक्ति और सेवा के प्रतीक हैं। लेकिन यदि हम गहराई से देखें तो उनके व्यक्तित्व में एक सच्चे स्वयंसेवक और नेता के सभी गुण भी विद्यमान हैं। संस्कारशाला के माध्यम से डॉ. अंकुर शरण यह जीवन के मूल्यवान पाठ साझा करते हैं, जो श्री हनुमान जी के जीवन और उनके कार्यों से हमें सीखने को मिलते हैं। ये शिक्षाएं न केवल धार्मिक संदर्भ में बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं।

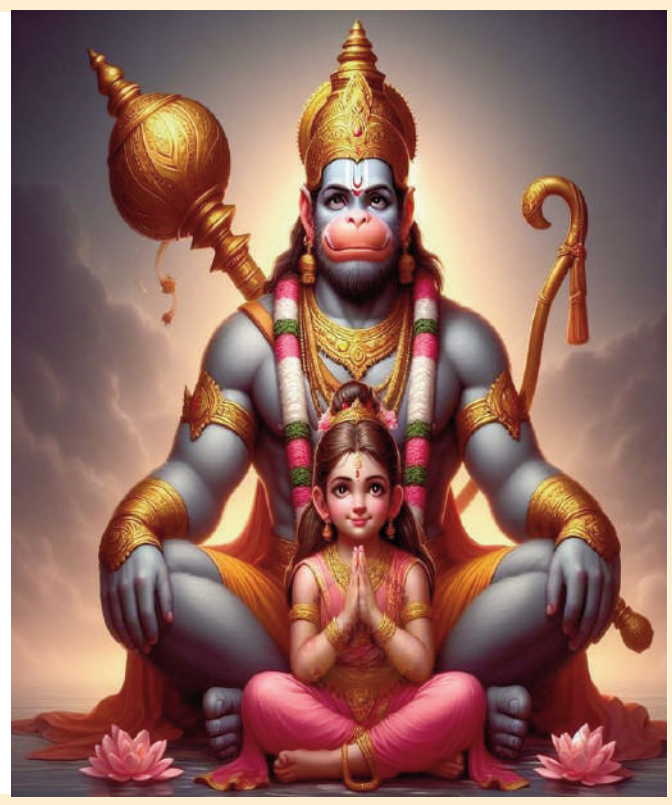

1. सेवा का असली अर्थ: निःस्वार्थ भावना

श्री हनुमान जी का पूरा जीवन सेवा को समर्पित है। उन्होंने निःस्वार्थ भाव से श्रीराम की सेवा की और उनके प्रत्येक कार्य को पूरे मनोयोग से संपन्न किया। उन्होंने न कभी श्रेय की अपेक्षा की और न ही अपनी सेवा का बखान किया। एक सच्चे स्वयंसेवक की यह पहचान होती है कि वह बिना किसी स्वार्थ के सेवा करता है और हमेशा दूसरों की भलाई के लिए तत्पर रहता है। आज के समय में यह आवश्यक है कि हम श्री हनुमान जी के निःस्वार्थ सेवा के आदर्श को अपनाएं और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें।

2. नेतृत्व की सच्ची भावना: सामर्थ्य और विनम्रता का संयोजन

हनुमान जी एक शक्तिशाली देवता होते हुए भी सदैव विनम्र और समर्पित रहे। उन्होंने अपनी शक्ति का उपयोग केवल समाज की भलाई और अपने ईष्ट श्रीराम के कार्यों को सिद्ध करने के लिए किया। एक सच्चे नेता की यही पहचान होती है कि वह अपने सामर्थ्य का उपयोग दूसरों की मदद के लिए करे, न कि अपने अहंकार की तुष्टि के लिए।

आज के युवाओं को यह सीखना चाहिए कि नेतृत्व का अर्थ केवल दूसरों पर शासन करना नहीं है, बल्कि दूसरों की सेवा और उनकी भलाई के लिए काम करना है। श्री हनुमान जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि एक सच्चे नेता को हमेशा विनम्र, दृढ़ और निःस्वार्थ होना चाहिए।

3. समस्या-समाधान और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता

जब श्री हनुमान जी ने समुद्र पार करके सीता माता का पता लगाने का संकल्प लिया, तब उन्होंने किसी भी चुनौती से पीछे हटने के बजाय त्वरित निर्णय लिया और कार्य को पूरा किया। उनके पास समस्या-समाधान की अद्भुत क्षमता थी, जो किसी भी नेता के लिए अत्यंत आवश्यक गुण है।

हनुमान जी की इस विशेषता से हम यह सीख सकते हैं कि जीवन में जब भी कोई कठिनाई आए, हमें तुरंत और सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना चाहिए। उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए, हमें यह समझना चाहिए कि समस्याओं से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि साहस के साथ उनका सामना करना चाहिए।

4. टीमवर्क और सहयोग का महत्व

श्री हनुमान जी ने कभी भी अपने काम को अकेले करने का प्रयास नहीं किया। वे हमेशा अपनी वानर सेना के साथ मिलकर कार्य करते थे और सभी को प्रेरित करते थे। उन्होंने अपने साथियों के योगदान को सदैव महत्व दिया और सभी को साथ लेकर चले। यह सच्चे नेतृत्व का उदाहरण है, जहाँ एक नेता न केवल खुद को बल्कि अपने पूरे दल को प्रेरित करता है।

इससे हमें यह सीख मिलती है कि जीवन में टीमवर्क का महत्त्व अत्यधिक है। चाहे वह कार्यस्थल हो, समाज सेवा हो, या कोई व्यक्तिगत लक्ष्य हो, हमें हमेशा एकजुट होकर काम करना चाहिए और दूसरों के योगदान को सम्मान देना चाहिए।

5. विनम्रता और अनुशासन: सच्चे स्वयंसेवक के गुण

श्री हनुमान जी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी विनम्रता और अनुशासन था। चाहे उन्होंने कितने भी बड़े कार्य किए हों, वे हमेशा श्रीराम के प्रति समर्पित रहे और उनकी आज्ञा का पालन किया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि चाहे हम कितनी भी सफलता प्राप्त कर लें, हमें हमेशा विनम्र और अनुशासित रहना चाहिए।

आज के युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन नहीं है, बल्कि यह एक जीवनशैली है। श्री हनुमान जी का अनुशासन हमें यह सिखाता है कि अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए हमेशा विनम्र बने रहना चाहिए।

6. भक्ति और आत्मबल: सच्चे नेतृत्व के आधार

हनुमान जी की भक्ति और आत्मबल अद्वितीय था। उन्होंने अपने इष्ट श्रीराम के प्रति अटूट भक्ति रखी और अपने आत्मबल के द्वारा असंभव कार्यों को भी संभव कर दिखाया। उनकी भक्ति केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह उनके जीवन का आधार थी। उन्होंने हमें यह सिखाया कि जीवन में आत्मबल का विकास और अपने इष्ट के प्रति निष्ठा रखना अत्यंत आवश्यक है।

7. लक्ष्य के प्रति अडिगता

हनुमान जी का जीवन यह दर्शाता है कि जब हम किसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए संकल्प लेते हैं, तो हमें उससे पीछे नहीं हटना चाहिए। उनकी दृढ़ता और अडिगता हमें सिखाती है कि जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है, बस हमें अपने संकल्प पर दृढ़ रहना चाहिए।

संस्कारशाला द्वारा विशेष पहल

डॉ. अंकुर शरण ने संस्कारशाला के माध्यम से श्री हनुमान जी के जीवन से जुड़े इन महत्त्वपूर्ण पाठों को युवाओं तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया है। वे विभिन्न कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के माध्यम से यह प्रयास कर रहे हैं कि युवा पीढ़ी हनुमान जी के आदर्शों को अपनाकर समाज में सच्चे स्वयंसेवक और नेता बन सकें। उनका उद्देश्य है कि युवाओं को हमारे सनातन धर्म की इन अमूल्य शिक्षाओं के प्रति जागरूक किया जाए ताकि वे अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ा सकें और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

मानस और बॉबी के पुनर्मिलन ने बिजेड़ी की राजनीति में हलचल

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर: चुनाव से पहले प्रणब प्रकाश दास का मुख उत्तर की ओर था जबकि मानस मंगराज का मुख दक्षिण की ओर था। प्रणव और मानस के बीच शीतयुद्ध भी चल रहा था। मानस के पीछे वीके पांडियन और डीएस कुट्टे थे।लेकिन चुनाव के बाद पार्टी की हार के लिए पांडियन, कुट्टे और प्रणब और मानस को भी जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। ऐसे समय में बॉबी और मानस का समाज की सेवा के लिए एक साथ आना राजनीतिक गलियारों में पच नहीं रहा है। इसके पीछे क्या रहस्य है, इसे लेकर खुदाई शुरू हो गई है।

अब आते हैं बॉबी और मानस की समाज सेवा पर। बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक का कहना है कि हमारी पार्टी का उद्देश्य समाज सेवा है. यदि बीजीडी नेताओं को समाज की सेवा करने में इतनी रुचि है, तो वे बीजीडी के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। इससे समाज मजबूत होगा और पार्टी मजबूत होगी। वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक, 3 अक्टूबर को चतुर्था फाउंडेशन नाम की कंपनी बनाई गई थी। जिसका CIN नंबर U88900OD2024NPL046998 है। यह रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, कटक के साथ पंजीकृत है। इसकी अधिकृत शेयर पूंजी 15 लाख रुपये है जबकि भुगतान पूंजी 1 लाख रुपये है।सबसे खास बात ये है कि बॉबी और मानस दोनों के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है। अगर उन्हें फाउंडेशन बनाकर जनसेवा ही करनी थी तो मानस और बॉबी अलग-अलग तरीकों से कर सकते थे। लेकिन बजेदी की ये तुंगानेटा इस फाउंडेशन की निदेशक हैं। मानस रंजन मंगराज निर्देशक हैं जबकि सौम्य प्रकाश दास निर्देशकों में से एक हैं। सौम्या प्रणब प्रकाश के भाई हैं।

सत्ता के लिए लड़ने वाले दो नेताओं के एक साथ आने और एक सामाजिक सेवा नेटवर्क स्थापित करने के पीछे क्या रहस्य है? उन्हें लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है। मानस के हाथ में दो मीडिया हाउस हैं। यदि मन को समाचार, समाज और दर्शन चाहिए होता तो वह मीडिया संस्थान के माध्यम से परोपकार, समाज सेवा आदि कार्य कर सकता था। जिससे उनके मीडिया संस्थान की छवि बढ़ सके। लोग कह रहे हैं कि बॉबी चाहते तो अशोक दास के नाम पर समाजसेवा कर अपने व्यक्तित्व का इजहार कर सकते थे। ऐसी बुनियाद के पीछे कोई न कोई राजनीतिक मकसद है।राज्य के एक प्रमुख वेब मीडिया में यह संकेत दिया गया है कि इसके जरिए जीती हुई रकम स्वीकार की जाएगी। इस संगठन का असली उद्देश्य तो बाद में स्पष्ट होगा। हालाँकि, चुनाव हारने के बाद, मानस और बॉबी के पुनर्मिलन ने बिजेड़ी की राजनीति में हलचल मचा दी है।

दलित, ओ बी सी, अल्पसंख्यक एवं आदिवासी संगठनों के परिसंघ द्वारा लखनऊ में सामाजिक न्याय सम्मेलन का आयोजन किया

शम्स आगाज

लखनऊ: दलित, ओ बी सी, अल्पसंख्यक एवं आदिवासी संगठनों के परिसंघ द्वारा सहकारिता भवन, विधानसभा रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ उदित राज (पूर्व सांसद)ने कहा कि लोकतंत्र बचाने का काम सिर्फ़ नेताओं का नहीं है बल्कि समाज के लोगों का भी है।

वक़्फ़ और आईन बचाने के लिए एकता का मुज़ाहरा करते हुए लड़ाई लड़नी होगी।

कोई पार्टी आपकी आवाज़ नहीं उठाएगा क्योंकि उन्हें हारने का डर है इस लिए होशियारी से काम करने की जरूरत है।

उन्होंने जातीय जनगणना की मांग करते हुए कहा इस मांग को लेकर हमें मिलकर कोशिश करनी होगी।

उन्होंने कहा कि बहुजन आंदोलन का मुसलमानों को बहुत फायदा हुआ है क्योंकि जबसे दलित जागा तबसे अत्याचार कम हुए हैं और अगर मिलकर एक धक्का दे दें तो हम इन्हें सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे।

उन्होंने के कहा कि लोगों में बराबरी की सोच नहीं है और राहुल गांधी जी समाजी न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं।

उन्होंने मुसलमानों की तालीमी पसमांदगी पर भी दुःख का इज़हार करते हुए कहा कि अपने हालात को हमें खुद बदलना होगा और यह एकता के द्वारा ही मुमकिन है।

उदित राज ने आगे कहा कि एक तरफा करवाई से बचने के लिए भागेदारी ज़रूरी है और भागेदारी के लिए संघर्ष ज़रूरी है। रिजर्वेशन की वजह से दलितों की हालत अच्छी हुई है और भागेदारी ना होने की वजह से मुसलमानों की हालत दलितों से ख़राब है।

जब मंदिरों की कमेटी में मुस्लिम सदस्य नहीं हो सकता तो वक़्फ़ में ग़ैर मुस्लिम सदस्य कैसे ही सकता है !, वक़्फ़ अमेंडमेट बिल किसी भी सूरत में कबूल नहीं है।

सामाजिक न्याय की लड़ाई ही उन्हें खत्म करेगी और हमारी लड़ाई नॉन पॉलिटिकल होगी।

शाहिद अली एडवोकेट ने कहा कि बाबा साहब के बनाए हुए बराबर के अधिकार को सरकार समाप्त करने में लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि वक़्फ़ अमेंडमेट बिल पर कौम सोई हुई है, वक़्फ़ अमेंडमेट के बाद आपके पास मस्जिदें, दरगाहें , क़ब्रिस्तान अत्यादि नहीं बचेगी।

उन्होंने कहा कि हम वक़्फ़ बोर्ड की कमाई से हम हजारों हॉस्पिटल और स्कूल, कॉलेज बना सकते हैं और देश का बजट फाइनेंस कर सकते हैं।

वक़्फ़ अमेंडमेट बिल ला कर यह सरकार लोगों की दुबारा से गुलाम बनाना चाहती है और अगर आवाज़ नहीं उठी और नहीं जाग तो सबकी कुरबानियां बर्बाद हो जाएंगी।इस लिए बेदर हो जाओ और अपने हक़ के लिए आवाज़ उठाओ।

अगर आवाज़ नहीं उठी तो वक़्फ़ और रिजर्वेशन को ख़तम करके रहेंगे।

जावेद अहमद, चेयरमैन वक़्फ़ वेलफेयर फॉर्म ने कहा कि वक़्फ़ में संशोधन एक खतरनाक क़दम है इस से पहले भी वक़्फ़ पर हमले हुए हैं।यह वक़्फ़ बिल वक़्फ़ संपत्ति पर कब्ज़ा करने की एक कोशिश है।

अरशद खान, पूर्व विधायक जौनपुर ने कहा कि मुसलमान की तरक्की क़ौम की लड़ाई में ही मुमकिन है इस लिए सभी के साथ मिलकर लड़ाई लड़नी होगी।जबकि मुसलमान हमेशा सिर्फ़ अपने मसाइल मैं ही उलझा रहा है।

जातीय जनगणना मुसलमानों की भी जरूरत है और साथ की दलितों और पिछड़ों के हक़ लड़ाई लड़ने की जरूरत है।

तारिक गाज़ी ने कहा कि समाज के सभी को वर्गों को साथ ले कर चलना होगा तभी मसालों का हल एवं तरक्की मुमकिन है।

इस अ्रवसर पर एडवोकेट अनवर खलील एडवोकेट शाकिर केरानवी, एडवोकेट सतीश कुमार, राम मदन,सतेंद्र वर्मा, संजय राज, फ़ज़ल करीम, सभासद मेरठ, तालिब अली, आफताब आलम अत्यादि ने अपनी बात रखी।

2047 तक भारत के विकसित भारत बनने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए

सुषमा रानी

नई दिल्ली, भारत - इंडो लैटिन अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएलएसीसी) और वीपीवीवी टेक्नो कं स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में एक ऐतिहासिक समझौतेपर हस्ताक्षर किए, जो 2047 तक भारत के विकसित भारत बनने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्णकदम है। 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का यह समझौता भारत मेंऔद्योगिक सहित बड़े पैमाने पर निवेश पर केंद्रित है। कॉरिडोर विकास कार्यक्रम, सेमीकंडक्टर मिशन, राष्ट्रीय रसद नीति, उत्पादन सेजुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, मेक इन इंडिया और मेड फ्रॉम इंडिया और कई अन्य पहलें रक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित हैं। आवास और शहरी मंत्रालय के राज्य मंत्री, तोखन साहू ने वैश्विक गणमान्य व्यक्तियों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया, जिनमेंभारत मेंसेशेल्स के उच्चायुक्त लालटियाना एकौचे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के उच्चायुक्त मोरिल एनसिलु, जकारिया ट्रोरे, शामिल थे। प्रथम परामर्शदाता, गिनी दूतावास, सेकोउ कोंडे, आर्थिक परामर्शदाता, गिनी दूतावास, और एच.ई. चिली गणराज्य के राजदूत जुआन अंगुलो ने इस ऐतिहासिक साझेदारी के अंतर्राष्ट्रीय महत्व पर जोर दिया।

वैश्विक समर्थन और रणनीतिक महत्व:

हस्ताक्षर समारोह में अमेरिकी गणमान्य व्यक्तियों और राजदूतों की उपस्थिति इस साझेदारी के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालती है। यह अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भारत के बढ़ते महत्व को भी पुष्ट करता है, लैटिन अमेरिकी और उत्तरी अमेरिकी हितधारक देश के महत्वाकांक्षी विकास लक्ष्यों का समर्थन करने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। यह समझौता न केवल भारत और लैटिन अमेरिकी क्षेत्र के बीच संबंधों को गहरा करेगा बल्कि भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओ के बीच भविष्य के आर्थिक सहयोग के लिए एक रणनीतिक पुल के रूप में भी काम करेगा। इंडोलैटिन अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएलएसीसी) के अध्यक्ष राज कुमार शर्मा की ओर से कहा गया,

आज का समझौता सिर्फ एक वित्तीय प्रतिबद्धता नहीं है; यह भारत के विकास लक्ष्यों के प्रति हमारेसमर्पण को मजबूत करनेवाला एक रणनीतिक संरेखण है। हमें भारत की रक्षा और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण योगदान देने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को विकसित भारत बनने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के क्रम में आवास और शहरी मंत्रालय के राज्य मंत्री तोखन साहू ने इंडो लैटिन अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएलएसीसी) और वीपीवीवी टेक्नो कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने एक एमओयू साइन किया।10 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का यह समझौता भारत में औद्योगिक सहित बड़े पैमाने पर निवेश पर केंद्रित है। वे समय-समय पर मंत्रालयों के साथ चर्चाऔर उनकी सहमति और मार्गदर्शन के बाद बी2बी कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और उसके अधिकारियों के करीबी मार्गदर्शन मेंकाम करतेहैं। वे वैश्विक व्यापार, नीति और वकालत के लिए व्यापार भागीदार हैं।वीपीवीवी टेक्नो कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बारे में लिमिटेडः वीपीवीवी टेक्नो कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड दक्षिण भारत मेंगहरी जड़ें जमा चुकी एक अग्रणी कंपनी है। उन्होंने 2014 मेंअपनी यात्रा शुरू की और विश्व स्तरीय परियोजनाएं पेश कर रहेहैंजो देश की आर्थिक वृद्धि और विकास मेंयोगदान देती हैं। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और नवाचार पर ध्यान देनेके साथ, वीपीवीवी भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैऔर इसके लिए प्रयास करना जारी रखेगा। प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित करें, यह सुनिश्चित करेंकि 2047 तक हम वास्तव में विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र के सपनों को पूरा कर सकें।

सीईआरटी-इंडिया और आईएसएसी ने मिलकर शुरू किया नेशनल साइबर सिक्योरिटी स्कॉलर प्रोग्राम

सुषमा रानी

नई दिल्ली: भारत की साइबर सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इंडिया) और इन्फॉर्मेशन शेयरिंग एंड एनालिसिस सेंटर (आईएसएसी) ने मिलकर नेशनल साइबर सिक्योरिटी स्कॉलर प्रोग्राम (एनसीएसएसपी) के छठे बैच के लिए संयुक्त प्रमाणपत्र जारी करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम भारत के साइबर सुरक्षा क्षेत्र में पेशेवरों को उच्च-स्तरीय तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल से लैस करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। एनसीएसएसपी का उद्देश्य देश में विश्वसनीय और नैतिक साइबर सुरक्षा नेतृत्व विकसित करना है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को न केवल तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करता है, बल्कि उन्हें कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों—जैसे बिजली, स्वास्थ्य, और परिवहन - में डिजिटलीकरण के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करता है।

आईएसएसी के संस्थापक निदेशक राजशेखर पुल्लभटला ने कहा, ₹एनसीएसएसपी भारत के साइबर सुरक्षा परिदृश्य का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। सीईआरटी-इंडिया की इस पहल में भागीदारी से यह सुनिश्चित होता है कि प्रतिभागियों को उच्चतम तकनीकी और नैतिक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाए, जिससे वे देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित रख सकें।"

सीईआरटी-इंडिया के महानिदेशक डॉ. संजय बहल ने इस साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ₹यह सहयोग सीईआरटी-इंडिया और आईएसएसी जैसे अग्रणी संगठनों को एकजुट करता है, जो भारत की साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस कार्यक्रम से जुड़े कई प्रतिभागी नेशनल सिक्योरिटी डेटाबेस (एनएसडी) का हिस्सा हैं और देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।"

प्रोग्राम की विशेषताओं के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि 12 क्षेत्रों में विस्तृत प्रशिक्षण, जिसमें एआई, मशीन लर्निंग, और स्पेस साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक विषय शामिल हैं। रियल-लाइफ सिमुलेशन गेम्स के माध्यम से वास्तविक दुनिया की साइबर चुनौतियों से निपटने की तैयारी तथा फिजिकल साइबर रेंज के माध्यम से स्मार्ट सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर साइबर-फिजिकल हमलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ ऑफ-ग्रिड लिविंग अनुभव, जो टीमवर्क और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023